Publication Date 01.01.2026
Postal Registration No. G/CHD/0096/2024-26
Registrar of Newspapers of India
Regd. No. 46809/70 I Total Pages 48
Posted at MBU Chandigarh 1st of Every Month

हरियाणा सहकारी प्रकाश

Haryana Sahkari Parkash

HARCOFED

वर्ष : 57 / अंक 01 / 1 जनवरी, 2026 / वार्षिक मूल्य : रू 500 / प्रति कापी : रू 50

सहकारिता महज एक विचार नहीं है, अपितु यह नवाचार और अनुसंधान के साथ पूरे विश्व का भविष्य सुरक्षित करने का माध्यम है।

– डॉ. अरविंद कुमार शर्मा
माननीय सहकारिता मंत्री, हरियाणा सरकार

हरकोफेड द्वारा सभी सहकारी संस्थाओं की उपलब्धियों एवं योजनाओं की जानकारी जन–जन तक पहुँचाने हेतु तैयार किए गए 'कोऑपरेटिव इन्फॉर्मेटिव फ्लेक्स' का मुरथल, सोनीपत में आयोजित राज्य सहकारिता दिवस के अवसर पर अनावरण करते मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी। यह फ्लेक्स पूरे हरियाणा प्रदेश में लगाए जाएंगे।

हरियाणा सरकार

सहकारिता विभाग, हरियाणा

HAFED

हैफ़ेड राज्य के किसानों से न्यूनतम समर्थन मूल्य पर विभिन्न फसलों जैसे गेहूं, धान, सरसों, बाजरा, सूरजमुखी, मूंग, चना, मक्का, मूंगफली इत्यादि की खरीद कर रहा है और राज्य की सबसे बड़ी खाद्यान्न खरीद एजेंसी बन गई है।

- बाज़ार में उच्च गुणवत्ता के दुग्ध पदार्थ उपलब्ध हेतु 350 नए वीटा बूथ खोले जा रहे हैं।
- प्रदेश के हर ब्लाक में एक दूध संग्रह केंद्र (बी.एम.सी.) व हर जिले में एक शीतलन केंद्र (एम.सी.सी.) स्थापित किए जा रहे हैं।

Vita DAIRYFED

SUGARFED

पिराई सत्र 2025-26 के लिये देशभर में गन्ने का सर्वाधिक राज्य सुझावित मूल्य 415 रूपये प्रति क्विंटल घोषित किया गया, जोकि अभी तक राज्यों द्वारा घोषित सर्वाधिक (राज्य सुझावित) मूल्य है।

1. हरको प्रगति खाता : विक्रताओं और व्यवसायियों के लिए चालू खाता योजना
2. नारी सशक्ति योजना : महिलाओं के लिए बचत खाता एवं सावधि जमा योजना
3. ई-रिक्शा/लोडर ऋण योजना : पर्यावरण अनुकूल, स्व-रोजगार के अवसर को बढ़ावा

HARCO BANK

HSCARDB

हरियाणा कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक के ऋणी सदस्यों द्वारा समय पर भुगतान करने पर 50 प्रतिशत ब्याज माफी दी जा रही है।

एक करोड़ रूपये तक की लागत वाले सभी कार्य (कुशल/अकुशल) सहकारी श्रम एवं निर्माण समितियों के लिए आरक्षित रहेंगे।

LABOURFED

HARCOFED

सहकारिता जागरूकता अभियान द्वारा जन-जन तक सहकार से समृद्धि का संदेश पहुंच रहा है। 10 लाख से ज़्यादा लोगों को अभियान से जोड़ा गया।

हाउसफैड द्वारा शहरी क्षेत्रों में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के व्यक्तियों को आवास निर्माण हेतु 12.50 लाख रूपये तक का ऋण 7% वार्षिक ब्याज दर पर उपलब्ध है।

HOUSEFED

सहकार से समृद्धि HARCOFED समृद्धि से आत्मनिर्भरता

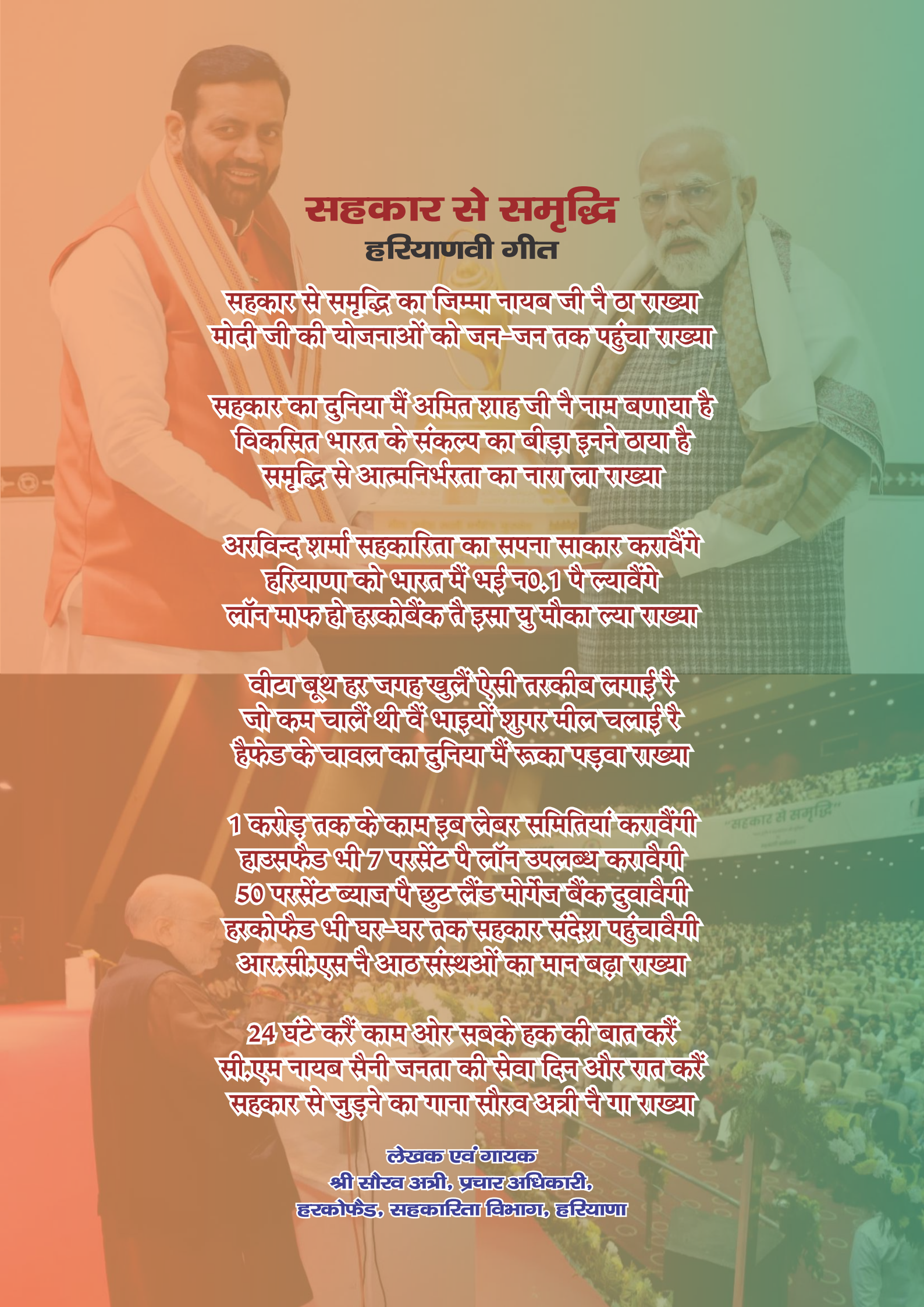

सहकार से समृद्धि

हरियाणवी गीत

सहकार से समृद्धि का जिम्मा नायब जी नै ठा राख्या
मोदी जी की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचा राख्या

सहकार का दुनिया मैं अमित शाह जी नै नाम बणाया है
विकसित भारत के संकल्प का बीड़ा इनने ठाया है
समृद्धि से आत्मनिर्भरता का नारा ला राख्या

अरविन्द शर्मा सहकारिता का सपना साकार करावैंगे
हरियाणा को भारत मैं भई न0.1 पै ल्यावैंगे
लॉन माफ हो हरकोबैंक तै इसा यु मौका ल्या राख्या

वीटा बूथ हर जगह खुलैं ऐसी तरकीब लगाई रै
जो कम चालैं थी वैं भाइयों शुगर मील चलाई रै
हैफेड के चावल का दुनिया मैं रूका पड़वा राख्या

1 करोड़ तक के काम इब लेबर समितियां करावैंगी
हाउसफैड भी 7 परसेंट पै लॉन उपलब्ध करावैगी
50 परसेंट ब्याज पै छुट लैंड मोर्गेज बैंक दुवावैगी
हरकोफैड भी घर-घर तक सहकार संदेश पहुंचावैगी
आर.सी.एस नै आठ संस्थओं का मान बढ़ा राख्या

24 घंटे करैं काम ओर सबके हक की बात करैं
सी.एम नायब सैनी जनता की सेवा दिन और रात करैं
सहकार से जुड़ने का गाना सौरव अत्री नै गा राख्या

लेखक एवं गायक
श्री सौरव अत्री, प्रचार अधिकारी,
हरकोफैड, सहकारिता विभाग, हरियाणा

सम्पादकीय

नववर्ष 2026
सहकार से सशक्त भविष्य की ओर

नववर्ष 2026 का शुभ आगमन हम सभी के लिए नई ऊर्जा, नए संकल्प और नई जिम्मेदारियों का संदेश लेकर आया है। यह अवसर केवल कैलेंडर बदलने का नहीं, बल्कि आत्ममंथन करने और भविष्य की दिशा तय करने का है। सहकारिता से जुड़े हम सभी के लिए यह नववर्ष इसलिए भी विशेष है, क्योंकि हम वर्ष 2025 से अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष (IYC) की सशक्त विरासत के साथ वर्ष 2026 में प्रवेश कर रहे हैं।

वर्ष 2025 अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के रूप में विश्वभर में सहकारी आंदोलन की प्रासंगिकता को नई पहचान देने वाला सिद्ध हुआ। इस वर्ष ने यह स्पष्ट किया कि समावेशी विकास, सामाजिक समानता, रोजगार सृजन और सतत् अर्थव्यवस्था के लक्ष्यों को प्राप्त करने में सहकारिता की भूमिका अनिवार्य है। सहकारिता केवल आर्थिक गतिविधि नहीं, बल्कि सहभागिता, विश्वास और सामूहिक उन्नति की जीवन–दृष्टि है।

हरियाणा प्रदेश ने अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 को पूर्ण सक्रियता और प्रतिबद्धता के साथ मनाया। राज्य में सहकारी संस्थाओं के सुदृढ़ीकरण, सदस्यों के क्षमता निर्माण, प्रशिक्षण कार्यक्रमों तथा जागरूकता अभियानों पर विशेष ध्यान दिया गया। किसानों, दुग्ध उत्पादकों, स्वयं सहायता समूहों, महिलाओं और ग्रामीण युवाओं को सहकारिता से जोड़ने हेतु अनेक प्रभावी पहल की गईं। इन प्रयासों से न केवल सहकारी संस्थाओं में नई ऊर्जा का संचार हुआ, बल्कि सहकारिता के प्रति जनविश्वास भी और मजबूत हुआ।

नववर्ष 2026 में प्रवेश करते हुए यह आवश्यक है कि हम बीते वर्ष की उपलब्धियों से प्रेरणा लें और सहकारिता को और अधिक प्रभावी, आधुनिक एवं जनोन्मुखी बनाने का संकल्प करें। आज के डिजिटल युग में सहकारी संस्थाओं को तकनीक के अधिकतम उपयोग, पारदर्शी कार्यप्रणाली और युवा सहभागिता को प्राथमिकता देनी होगी। युवा जब सहकारिता से जुड़ेंगे, तभी यह आंदोलन सतत्, सशक्त और भविष्य–उन्मुख बन पाएगा।

हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि सहकारी संस्थाएँ केवल आर्थिक लाभ तक सीमित न रहें, बल्कि सामाजिक उत्तरदायित्व और सतत् विकास का भी आदर्श प्रस्तुत करें।

हरियाणा सहकारी प्रकाश पत्रिका सहकारी विचारधारा के प्रचार–प्रसार का एक सशक्त मंच रही है। यह पत्रिका सहकारिता से जुड़े सफल प्रयोगों, नवाचारों और प्रेरक अनुभवों को साझा कर सहकारी आंदोलन को नई दिशा देती रही है। नववर्ष 2026 में हरकोफैड का यही प्रयास रहेगा कि यह पत्रिका सहकारिता से जुड़े प्रत्येक कार्यकर्ता, सदस्य और सहकारिता विभाग के लिए और अधिक उपयोगी व प्रेरणास्रोत बने।

नववर्ष 2026 के शुभ अवसर पर आइए हम सभी सहकारी साथी यह संकल्प लें कि ईमानदारी, पारदर्शिता, सहभागिता और सेवा–भावना को अपना मूल मंत्र बनाकर सहकारिता को जन–जन का आंदोलन बनाएँगे।

हरियाणा सहकारी प्रकाश

मुख्य संरक्षक
विजयेंद्र कुमार, भा.प्र.से.
अतिरिक्त मुख्य सचिव,
सहकारिता विभाग, हरियाणा

संरक्षक
अमरदीप सिंह भा.प्र.से.
रजिस्ट्रार सहकारी समितियां,
हरियाणा

मुख्य सम्पादक
नरेश गोयल
प्रबन्ध निदेशक, हरकोफैड

सम्पादक
सौरव अत्री

सुविचार

आशा की ज्योति जलाएं, निराशा और अंधकार में न डूबे रहें। निरंतर प्रयत्न करते रहें और हमेशा प्रसन्न रहें।

-स्वामी विवेकानन्द

'हरियाणा सहकारी प्रकाश' में प्रकाशित लेखकों के विचारों के साथ हरकोफैड का सहमत होना आवश्यक नहीं है। यह लेखकों के अपने विचार हैं।

हरियाणा सहकारी प्रकाश की विज्ञापन दरें :–

क्र.सं.	विवरण प्रति प्रकाशन	रुपये
1.	पूरा पृष्ठ टाईटल रंगीन	30000/-
2.	पूरा पृष्ठ रंगीन	20000/-
3.	पूरा पृष्ठ श्याम–श्वेत	12000/-
4.	आधा पृष्ठ श्याम–श्वेत	6000/-

इस अंक में पढ़िए

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने हरियाणा को दी नई सौगात 8–13

सोनीपत में आयोजित हुआ 72वें सहकारिता सप्ताह–2025 का शुभारंभ समारोह 14–18

पंचकुला में 72वें सहकारिता सप्ताह–2025 के समापन अवसर पर राज्य स्तरीय सहकारिता एवं स्वदेशी मेले का हुआ आयोजन 19–25

सहकारिता सामाजिक न्याय और ग्रामीण सशक्तिकरण का मजबूत माध्यम 26

विकसित भारत के संकल्प में सहकारिता का होगा महत्वपूर्ण योगदान, देश में स्थापित की जाएंगी 150 चीनी मिल 27–28

बी.बी.एस.एस.एल, एन.सी.ओ.एल. और हैफेड हरियाणा के बीच किसानों के आर्थिक विकास और व्यवसायिक सहयोग हेतु समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर 29

सहकारिता, सतत् विकास और सामुदायिक उत्थान का प्रतीक– शुगरफैड 30–31

हरियाणा सरकार द्वारा ऋणी किसानों / सदस्यों के लिए 'वन टाईम सेटलमेंट' (ओ.टी.एस) योजना 2022 को 31 मार्च 2026 तक बढ़ाने की घोषणा। 32

हरकोफैड और कालका स्कूल की ओर से राष्ट्रीय एकता दिवस पर भव्य पदयात्रा एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। 33–34

सशक्तिकरण–सहकारिताओं द्वारा विषयों पर निबंध प्रतियोगिता 35

विद्यार्थी भ्रमण कार्यक्रम का आयोजन 36

युवा कौशल विकास कार्यक्रम 37

पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता 38

नेतृत्व विकास कार्यक्रम का आयोजन 39

बीजा सहकारी समिति विकास संगोष्ठी का आयोजन 40

Empowering Farmers and Boosting Self-Reliance: GCMMF and Sarhad Dairy Launch New Cooperative in Kutch 41-42

विज्ञापन 43

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने हरियाणा को दी नई सौगात

- हरियाणा सहकारी बैंक का रूपे कार्ड किया लान्च
- भिवानी में वीटा का चिलिंग प्लांट व रेवाड़ी में हैफेड की नई आटा मिल का किया वर्चुअली लोकार्पण
- आई.वाई.सी पोर्टल का किया ई-लोकार्पण

नायब सिंह सैनी ने राज्य के किसान को मुस्कुराने का दिया कारण

हरियाणा देश का पहला राज्य, जहां 24 फसलों पर एम.एस.पी.

एक से दो माह में शुरू होगी भारत टैक्सी

हरियाणा, कृषि, दुग्ध उत्पादन, खेल और राष्ट्रीय सुरक्षा में दे रहा सबसे बड़ा योगदान

– अमित शाह

दिनांक 24 दिसंबर 2025 को पंचकुला के इन्द्रधनुष सभागार में कृषक भारती कॉआपरेटिव लिमिटेड (कृभका) द्वारा सहकार से समृद्धि 'सतत् कृषि में सहकारिता की भूमिका' पर केंद्रित सहकारी सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह जी ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। कार्यक्रम में कृभको द्वारा कॉपरेटिव फिल्म का प्रदर्शन किया गया एवं कृभको द्वारा तैयार आई.वाई.सी के समारोहों पर आधारित वर्ष पुस्तिका का विमोचन मुख्य अतिथि श्री अमित शाह द्वारा किया गया।

कार्यक्रम के दौरान अमित शाह जी ने हरियाणा को नई सौगातें दी। उन्होने अपने सम्बोधन में कहा कि हरियाणा राज्य आज देश में किसान कल्याण, पारदर्शी शासन और तेज निर्णय क्षमता का आदर्श बन चुका है। शाह ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने वह कर दिखाया है, जिसकी हिम्मत बहुत कम सरकारें

सरकार ने कृषि बजट 1 लाख 27 हजार करोड रुपये करने का किया काम : अमित शाह

कर पाती हैं। उन्होंने बताया कि चुनावी घोषणा पत्र के दौरान जब 24 फसलों को एमएसपी पर खरीदने का प्रस्ताव सामने आया था तो मैंने रात को फोन करके इस घोषणा को पुनः सुनिश्चित किया तो मुख्यमंत्री सैनी ने पूरे आत्मविश्वास के साथ कहा कि आप घोषणा करिए खरीद की जिम्मेदारी मेरी है। केंद्रीय सहकारिता मंत्री ने कहा कि हरियाणा देश का पहला राज्य है, जहां 24 फसलों की एम.एस.पी पर खरीद की जा रही है।

उन्होने कहा कि 48 घंटे के भीतर किसानों के बैंक खातों में फसलों का भुगतान करके हरियाणा सरकार ने एक नई प्रशासनिक क्रांति भी की है। गन्ना किसानों को देश मे सबसे अधिक मूल्य देने का काम भी मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने किया है। हरियाणा देश का छोटा राज्य होते हुए भी कृषि, दुग्ध उत्पादन, खेल और राष्ट्रीय सुरक्षा में सबसे बडा योगदान देता रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने हरियाणा के किसान को मुस्कुराने का कारण दिया है।

अमित शाह ने कहा कि 2014 में जब मोदी प्रधानमंत्री बने, तब देश का कृषि बजट 22 हजार करोड़ रूपए था, जिसे हमारी सरकार ने बढ़ाकर 1 लाख 27 हजार करोड रुपए करने का काम किया। ग्रामीण विकास का बजट 80 हजार करोड रुपए था, जो अब बढ़ाकर 1 लाख 87 हजार करोड रुपए किया जा चुका है। आज कोई सरपंच ऐसा नहीं है और हरियाणा में तो बिल्कुल भी नहीं, जिसे पिछले 10 साल में 10 करोड, 20 करोड या 25 करोड रुपए गांव के विकास के लिए न मिले हों। यह विकास के दृष्टिकोण में बहुत बड़ा परिवर्तन आया है। फसल बीमा को ज्यादा उपयोगी बनाया गया है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के माध्यम से हर किसान को हर साल 6 हजार रुपए दिए जा रहे हैं। एग्रीकल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर फंड में एक लाख करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया। ई–नेम के माध्यम से किसानों को उचित दाम मिल रहे हैं। श्री अन्न मिशन, दलहन–तिलहन मिशन, डेयरी सेक्टर की चक्रीय व्यवस्था इनके अलावा कई प्रकार के इनिशिएटिव्स लिए हैं। लगभग एक लाख करोड़ रुपए (जो योजना पूर्ण होते–होते 93 हजार करोड़ से बढ़कर एक लाख करोड़ की हो जाएगी) के माध्यम से पिछले 10 साल में एक लाख हेक्टेयर अतिरिक्त भूमि को सिंचित करने का काम भी आगे बढ़ाया गया है। ढेर सारी पहल करके कृषि क्षेत्र को मजबूत किया गया है। सहकारिता मंत्रालय की स्थापना इसलिए की गई ताकि कृषि और पशुपालन के माध्यम से किसान द्वारा पैदा की जाने वाली उपज का पूरा मुनाफा किसान तक पहुँच सके।

– एमएसपी पर 24 फसलें खरीदने वाला पहला राज्य हरियाणा, 48 घंटे के भीतर हो रहा खरीदी का भुगतान

– पैक्स के लिए मॉडल बायलॉज किए तैयार : अमित शाह

उन्होने कहा कि हमने प्राथमिक कृषि ऋण समितियों के लिए मॉडल बायलॉज तैयार किए हैं। मल्टीपर्पज़ पैक्स के प्रमाण पत्र किसानों को दिए हैं। हमने उर्वरक वितरण, कीटनाशक वितरण, कृषि उत्पादों की सफाई, ग्रेडिंग, मार्केटिंग, दवाइयों की दुकान, पेट्रोल पंप, गैस एजेंसी, पानी का वितरण जैसी सभी सेवाओं को पैक्स के साथ जोड़ने का काम किया है। लगभग 30 अलग–अलग आयामों को पैक्स के साथ जोड़कर हमने पैक्स को मजबूत बनाया है। राष्ट्रीय स्तर पर तीन मल्टी–स्टेट कोऑपरेटिव सोसाइटी बनाई गई हैं, जिनमें एक किसानों की उपज को एक्सपोर्ट करने के लिए, एक ऑर्गेनिक उत्पादों की मार्केटिंग और प्रमाणीकरण के लिए और एक बीज के उत्पादन, प्रोक्योरमेंट और वितरण के लिए है। इन पहलों के माध्यम से किसानों की आय बढ़ाने की मजबूत नींव डाली गई है। जब अमूल की स्थापना हुई थी, तब वह रोजाना मात्र 2 हजार लीटर दूध इकट्ठा करता था। आज यह देशभर में कई करोड़ लीटर (लगभग 3 करोड़ लीटर प्रतिदिन) दूध इकट्ठा करता है और इसका टर्नओवर लगभग 1 लाख 23 हजार करोड़ रुपए है। शाह ने विश्वास जताया कि 15 साल बाद इस देश में अमूल जैसी कम से कम 20 संस्थाएं खड़ी होंगी, जो किसानों के लिए काम करने वाली मजबूत सहकारी संस्थाएं होंगी। हरियाणा सरकार ने गन्ना किसानों को सबसे अधिक दाम देने का काम किया है और नायब सिंह सैनी सरकार ने हरियाणा के किसानों को खुशहाल बना दिया है, जो सबसे बड़ी उपलब्धि है।

केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने भिवानी में दूध शीतकरण केंद्र सलेमपुर में 20 हजार लीटर क्षमता के चिलिंग प्लांट और जिला रेवाड़ी के जाटूसाना में 100 मीट्रीक टन क्षमता की नई हैफेड आटा मिल का रिमोट द्वारा ई.लोकार्पण किया। उन्होनें हरियाणा राज्य सहकारी बैंकों के 5 लाभार्थियों को रुपे प्लैटिनम डेबिट कार्ड तथा हरियाणा में कृभको द्वारा बनाए गए 2 एम.पैक्स के अध्यक्षों को पंजीकरण प्रमाण पत्र का वितरण भी किया।

पंचकुला में कृभको द्वारा आयोजित सहकारी सम्मेलन के अवसर पर रेवाड़ी के जाटूसाना में 100 मीट्रिक टन क्षमता की नई हैफेड आटा मिल का रिमोट द्वारा ई–लोकार्पण करते केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह।

पंचकुला में कृभको द्वारा आयोजित सहकारी सम्मेलन के अवसर पर भिवानी के दूध शीतकरण केंद्र सलेमपुर में 20 हजार लीटर की क्षमता के चिलिंग प्लांट का रिमोट द्वारा ई–लोकार्पण करते केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह।

कृभको द्वारा तैयार आई वाई सी के समारोहों पर आधारित वर्ष पुस्तिका का विमोचन करते केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह।

पैक्स के लिए 15 लाख की लिमिट जीरो प्रतिशत ब्याज पर दी जाएगी : मुख्यमंत्री

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अपने सम्बोधन में घोषणा करते हुए कहा कि प्रदेश में पैक्स के लिए 15 लाख रूपये की लिमिट जीरो प्रतिशत ब्याज पर दी जाएगी। यह लोन सहकारी बैंकों द्वारा दिया जाएगा। हरियाणा सरकार द्वारा 10 प्रतिशत का ब्याज राहत उन पैक्सों की दी जाएगी, जो समय पर ऋण का भुगतान करेंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सहकार से समृद्धि के मंत्र को आगे बढाते हुए राष्ट्रीय सहकारिता नीति–2025 भी लागू की गई है। इसमें करोडों किसान, दुग्ध उत्पादक, ग्रामीण महिलाएं, कमजोर वर्गों को केन्द्र में रखा गया है। उन्होंने कहा कि वे विश्वास दिलाते हैं कि राष्ट्रीय सहकारिता नीति–2025 को हरियाणा में लागू करने में हम कोई कसर बाकी नहीं छोडेंगे। राष्ट्रीय सहकारिता नीति–2025 को लागू करने में हरियाणा अग्रिम राज्यों में होगा। हमारी सरकार ने सहकारिता को एक नई दिशा, नई पहचान और ताकत देने का जो संकल्प लिया है, वह आज भारत की कृषि, ग्रामीण अर्थव्यवस्था और किसान कल्याण का मजबूत आधार बन रहा है। केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह द्वारा प्रदेश के लिए कई सौगातें देने पर आभार व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इससे प्रदेश में सहकारिता के क्षेत्र में विकास के नए आयाम खुलेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा में सहकारिता आंदोलन को मजबूती देकर हम विकसित भारत, विकसित हरियाणा की दिशा में तेज गति से आगे बढ रहे हैं। मुझे पूरा विश्वास है कि कृभको द्वारा आयोजित इस सहकारी कान्फ्रेंस का विषय कृषि के सतत विकास में सहकारिता की भूमिका को ओर अधिक मजबूत करने में कारगर साबित होगा।

इस अवसर पर केंद्रीय सहकारिता राज्य मंत्री श्री कृष्णपाल गुर्जर, कृभको के अध्यक्ष श्री वी.सुधाकर चौधरी, प्रबंध निदेशक श्री एस.एस. यादव, हरियाणा विधानसभा के अध्यक्ष व सभी मंत्रीगण, मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी व सचिव, सहकारिता मंत्रालय श्री आशीष कुमार भुटानी समेत सहकारिता मंत्रालय भारत सरकार और सहकारिता विभाग, हरियाणा के सभी वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

मुरथल, सोनीपत में
सहकारिता का संतरगा झण्डा
फहराते हुए
श्री नायब सिंह सैनी
मुख्यमंत्री, हरियाणा

सोनीपत में आयोजित हुआ 72वें सहकारिता सप्ताह–2025 का शुभारंभ समारोह

सहकारिता से समृद्धि और समृद्धि से आत्मनिर्भरता लाना यही हमारा लक्ष्य

गांवों की प्रगति का मार्ग सहकारिता से होकर गुजरता है

नायब सिंह सैनी, मुख्यमंत्री हरियाणा

दिनांक 14 नवंबर, 2025 को सोनीपत के मुरथल में 72वें सहकारिता सप्ताह के शुभारंभ अवसर पर राज्य स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। कार्यक्रम की शुरूआत में मुख्यमंत्री ने सहकारिता का सतरंगा झंडा फहराया और इसके बाद सहकारिता प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सहकारिता मंत्री, हरियाणा डॉ. अरविन्द कुमार शर्मा ने की।

सहकारिता विभाग हरियाणा के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री विजयेन्द्र कुमार ने माननीय मुख्यमंत्री महोदय का स्वागत किया और स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका अभिवादन किया। विभाग के सभी वरिष्ठ अधिकारियों ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी गणमान्य हस्तियों का स्वागत किया।

राज्य स्तरीय समारोह
मुख्य अतिथि

राज्य स्तरीय समारोह
मुख्य अतिथि

मुख्य अतिथि

प्रदेश सहकारिता के क्षेत्र में कर रहा तरक्की

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सहकारिता के क्षेत्र में निरंतर तरक्की कर रहा है। 19 जिला केंद्रीय सहकारी बैंकों द्वारा प्रदेशभर में 3 लाख से अधिक किसानों को रूपे किसान क्रेडिट कार्ड जारी किए जा चुके हैं। राज्य में 21 पैक्स केंद्रों को गोदाम बनाने के लिए चुना गया है। समय पर अदायगी करने वाले प्राथमिक सहकारी समितियों के सदस्यों से फसली ऋण पर कोई ब्याज नहीं लिया जाता। इस योजना से अब तक 5 लाख 31 हजार 652 किसानों को 1 हजार 223 करोड़ रुपये की ब्याज राहत प्रदान की गई है। हैफेड केंद्र सरकार की मेगा फूड पार्क योजना के तहत रोहतक में लगभग 180 करोड़ रुपये की लागत से एक मेगा फूड पार्क स्थापित कर रहा है। शुगर फैड की 10 सहकारी चीनी मिल भी लगभग 93 प्रतिशत की क्षमता से काम कर रही हैं।

उन्होंने कहा कि भारत की आत्मा गांवों में बसती है और गांवों की प्रगति का रास्ता सहकारिता से होकर गुजरता है। इस साल को हम सहकारिता वर्ष के रूप में मना रहे हैं। यह आयोजन सहकारिता से समृद्धि और समृद्धि से आत्मनिर्भरता के संकल्प को सिद्ध करने में अहम भूमिका निभाएगा, यही हमारा लक्ष्य है। मुख्यमंत्री ने युवाओं से आह्वान किया कि वे पारंपरिक सोच से बाहर निकलकर सहकारी समितियां बनाएं और डिजिटल इंडिया के माध्यम से सहकारी समितियों को ग्लोबल ब्रांड बनाएं।

हमें उन लाखों लोगों को याद करना चाहिए, जिन्होंने अपनी छोटी–छोटी बचत और सामूहिक शक्ति से विशाल सहकारी आंदोलन का निर्माण किया। आज भारत दुनिया की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था है और हम तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के लक्ष्य की ओर तेज गति से आगे बढ़ रहे हैं। इस लक्ष्य की प्राप्ति में सहकारिता

की अहम भूमिका है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2014 में सहकारिता आंदोलन को मजबूती प्रदान करने का प्रण लिया था। उन्होंने इतिहास में पहली बार एक अलग सहकारिता मंत्रालय का गठन किया। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विजन को आगे बढ़ाते हुए हमने सहकारिता को जन आंदोलन बनाने का संकल्प लिया है।

सहकारी समितियों के लिए उठाए जा रहे कदम

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि सहकारी समितियों को मजबूत करने के लिए निरंतर कदम उठाए जा रहे हैं। सहकारिता क्षेत्र को आधुनिक और पारदर्शी व प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए 710 पैक्स का कम्प्यूटरीकरण किया जा रहा है। अब तक 475 पैक्स को ई–पैक्स बनाया गया है। पैक्स के लिए मॉडल बायलॉज बनाए गए हैं। दुनिया की सबसे बड़ी अन्न भंडारण योजना शुरू की गई है। देश के हर ब्लॉक में सहकारी समितियों द्वारा बड़े–बड़े गोदाम बनाए जा रहे हैं। एफ.पी.ओ को भी सहकारी

समितियों के साथ जोड़कर एक नई ताकत दी जा रही है। उन्होंने आजमन से आह्वान किया कि सब मिलकर प्रण लें कि हम सहकारिता की भावना को अपने जीवन का अभिन्न अंग बनाएंगे। हम मिलकर काम करेंगे और एक दूसरे का साथ देंगे और हरियाणा को देश का सबसे समृद्ध, खुशहाल और सहकारिता उन्मुख राज्य बनाएंगे।

मुख्यमंत्री के नेतृत्व में हर घर को सहकार से जोड़ेगा हरियाणा

– डॉ. अरविंद कुमार शर्मा

सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने अपने सम्बोधन में कहा कि गांव, समाज मे मिलकर काम करने की परंपरा रही है, यही सहकार है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2021 में सहकारिता मंत्रालय का गठन करते हुए हर घर को सहकार से जोड़ने का संकल्प लिया था। उनके लक्ष्य को सिद्धि तक लेकर जाने के लिए केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने नई सहकारिता नीति लागू की व देश की पहली सहकार यूनिवर्सिटी की नींव रखी है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हर घर को सहकार से जोड़ने के लिए गम्भीरता से काम किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि पैक्सों के डिजिटलीकरण से आज व्यवस्था में पारदर्शिता आई है, वहीं आज पैक्स केवल ऋण देने वाली संस्था के तौर पर नहीं, बल्कि 25 विभिन्न प्रकार की परियोजनाओं में आत्मनिर्भर बनने का अवसर हमारे युवाओं, किसानों और महिलाओं को प्रदान कर रही है।

इस दौरान सहकारिता विभाग के ए.सी.एस विजयेंद्र कुमार ने विभाग की उपलब्धियों को मुख्यमंत्री के समक्ष रखा। उन्होंने कहा कि सहकारिता एक जन आंदोलन है जो सभी के जीवन में आर्थिक समृद्धि ला सकता है। आज सहकारी समितियां ऋण, दुग्ध उत्पादन, विपणन आदि के अनेक कार्य कर रही हैं।

इस अवसर पर हरियाणा भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष श्री मोहन लाल कौशिक, अध्यक्ष एच. एस.सी.ए.आर.डी.बी. श्री अमर पाल राणा, अध्यक्ष, डेयरीफैड श्री राम अवतार गर्ग, विधायक श्री निखिल मदान, विधायक श्री पवन खरखौदा, नगर निगम, सोनीपत के मेयर श्री राजीव जैन, सोनीपत महानगर विकास प्राधिकरण की मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्रीमती ए.मोना श्रीनिवास व अन्य गणमान्य मौजूद रहे।

कार्यक्रम के अंत में रजिस्ट्रार सहकारी समितियां हरियाणा श्री अमरदीप सिंह, भा.प्र.से ने सभी गणमान्य अतिथियों एवं हरियाणा प्रदेश से पधारे सभी सहकार बंधुआ का धन्यवाद किया।

पंचकुला में 72वें सहकारिता सप्ताह–2025 के समापन अवसर पर राज्य स्तरीय सहकारिता एवं स्वदेशी मेले का हुआ आयोजन

हरियाणा सहकारिता के क्षेत्र में अग्रणी राज्य

प्रो. असीम कुमार घोष

दिनांक 20 नवंबर, 2025 को पंचकुला के यवनिका टाउन पार्क में 72वें सहकारिता सप्ताह के समापन समारोह के अवसर पर राज्य स्तरीय सहकारिता एवं स्वदेशी मेले का आयोजन किया गया। मेले में माननीय राज्यपाल हरियाणा प्रो. असीम कुमार घोष ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद कुमार शर्मा एवं उनकी धर्मपत्नी डॉ.रीटा शर्मा द्वारा मुख्य अतिथि माननीय राज्यपाल, हरियाणा प्रो. असीम कुमार घोष व उनकी धर्मपत्नी श्रीमती मित्रा घोष का पुष्पगुच्छ देकर अभिनंदन किया गया।

माननीय मुख्यअतिथि ने मेले का अपने कर कमलों द्वारा उद्घाटन किया और सहकारिता का सतंरगा झण्डा फहाराया। उन्होने सहकारी समितियों एवं स्वयं सहायता समूहों द्वारा स्थापित स्वदेशी उत्पादों के स्टॉलस का अवलोकन किया और प्रत्येक स्टाल्स पर जा करके उत्पादों के विषय में जानकारी ली एवं सभी का आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया।

मेले में विभिन्न प्रकार के स्वदेशी उत्पादों के स्टॉल्स और हरियाणा की सांस्कृतिक झांकियां भी प्रस्तुत की गई। इस अवसर पर माननीय राज्यपाल हरियाणा ने सहकार से समृद्धि गीत (कोऑपरेटिव सोंग) भी लॉच किया ।

सहकारिता एवं स्वदेशी मेले का अवलोकन करते
माननीय राज्यपाल, हरियाणा प्रो. असीम कुमार घोष व उनकी धर्मपत्नी श्रीमती मित्रा घोष

सहकारिता विभाग, हरियाणा
HAFED
HAFED
Vita
DAIRYFED
SUGARFED
HARCO BANK
HSCARDB
HARCOFED
LABOURFED
HOUSEFED
राज्य स्तरीय
72वां सहकारिता सप्ताह – 2025
समापन समारोह
के अवसर पर
सहकारिता एवं स्वदेशी मेला
20 नवंबर 2025, पंचकुला

सहकारिता विभाग, हरियाणा
HAFED
HAFED
Vita
DAIRYFED
SUGARFED
HARCO BANK
HSCARDB
HARCOFED
LABOURFED
HOUSEFED
राज्य स्तरीय
72वां सहकारिता सप्ताह – 2025
समापन समारोह
के अवसर पर
सहकारिता एवं स्वदेशी मेला
20 नवंबर 2025, पंचकुला

राज्य स्तरीय समारोह
72वां सहकारिता सप्ताह -2025
सहकारिता एवं स्वदेशी मेला

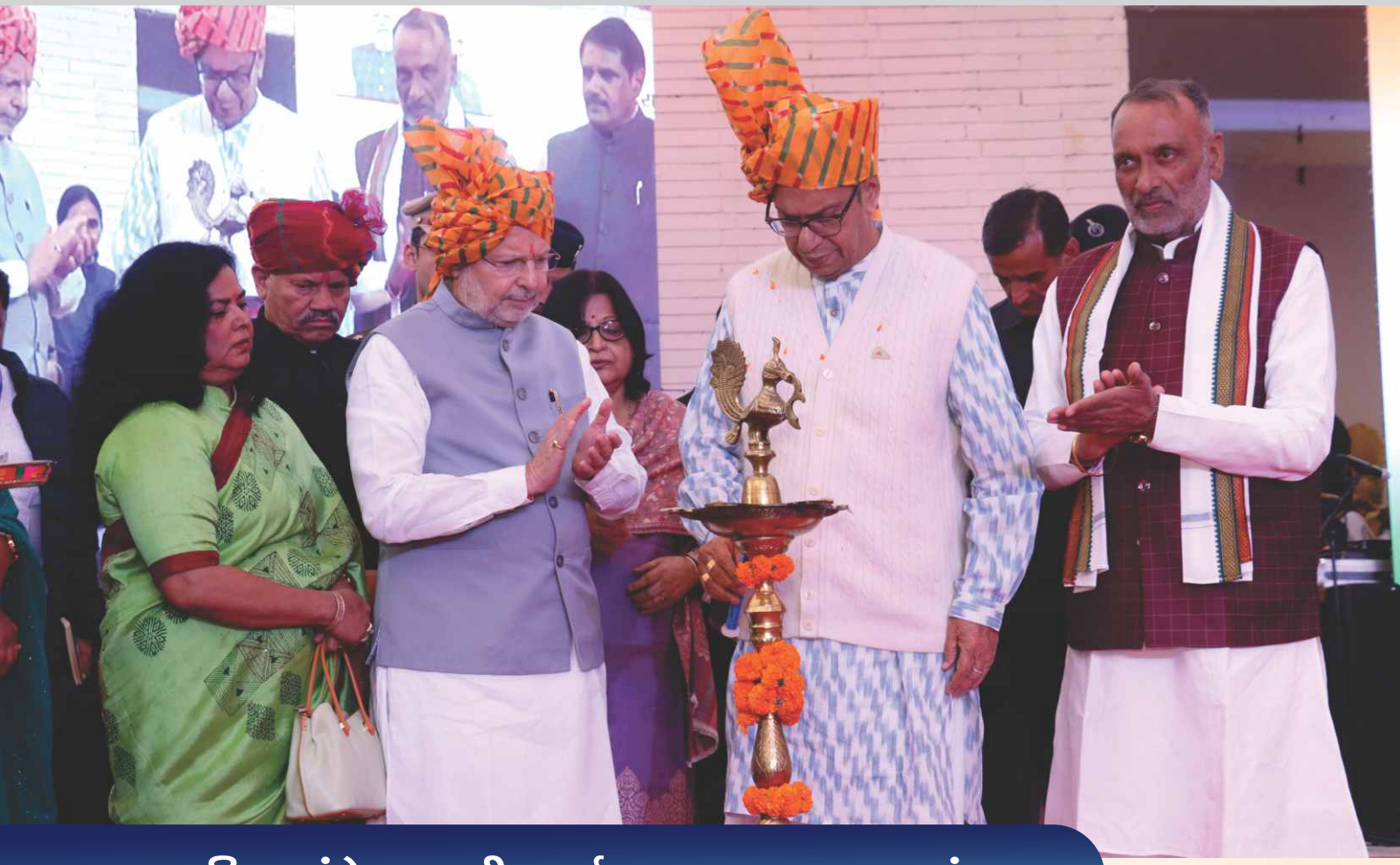

सहकारिता आंदोलन ग्रामीण अर्थव्यवस्था का मजबूत स्तंभ

माननीय राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने अपने सम्बोधन में कहा कि सहकारिता आंदोलन ने दशकों से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बदलने, रोजगार के अवसर बढ़ाने और समाज में एकजुटता को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा सहकारिता के क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों में शामिल है।

उन्हाने कहा कि यह आयोजन न केवल सहकारिता आदर्शों को समर्पित सप्ताह के समापन का प्रतीक है, बल्कि भारत के स्वदेशी उत्पादों की शक्ति, समुदायों की रचनात्मकता और हरियाणा की सहकारी संस्थाओं की सामूहिक उपलब्धियों को भी दर्शाता है। कोऑपरेटिव जमीनी स्तर पर सशक्तिकरण का इंजन हैं, जो आपसी सहयोग, सामूहिक जिम्मेदारी और लोकतांत्रिक मूल्यों पर आधारित हैं। सहकारिता और स्वदेश मेला केवल उत्पादों की प्रदर्शनी नहीं,

बल्कि हजारों परिवारों के साहस, उम्मीदों और रोजमर्रा के प्रयासों की झलक है, जो मिलकर आर्थिक अवसरों का निर्माण कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि जहां महिलाएं वित्तीय आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ रही हैं, वहीं युवा नवाचार को व्यवसाय में बदल रहे हैं तथा किसान सहकारी संस्थाओं के माध्यम से अपनी आय और उत्पादकता बढ़ा रहे हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि पैक्स, डेयरी व चीनी मिल कोऑपरेटिव, शहरी कोऑपरेटिव बैंक और गांव स्तर की संस्थाएं इस बात का प्रमाण हैं कि जब समुदाय मिलकर काम करते हैं, तो वे न केवल स्वयं को, बल्कि पूरे राज्य को प्रगति के पथ पर ले जाते हैं। राज्य सरकार द्वारा डिजिटलाइजेशन, पारदर्शिता और क्षमता निर्माण पर दिए गए जोर से यह इकोसिस्टम और अधिक मजबूत हुआ है।

भारत सरकार की पहल का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि सहकारिता मंत्रालय ने केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह के नेतृत्व में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं, जिनमें पैक्स का कंप्यूटराइजेशन, तीन नई राष्ट्रीय स्तर की सहकारी समितियों की स्थापना और त्रिभुवन सहकारी विश्वविद्यालय का गठन शामिल है।

मेले में स्वयं सहायता समूहों, महिला कोऑपरेटिव्स, कारीगर क्लस्टर्स और युवा उद्यमियों की सक्रिय भागीदारी की सराहना करते हुए राज्यपाल ने सभी से बेहतर गवर्नेंस, उन्नत प्रशिक्षण, आधुनिक तकनीक अपनाने और बड़े बाजारों से जुड़ने की दिशा में काम करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि इन प्रयासों से हरियाणा की सहकारी संस्थाएं स्थानीय स्तर पर रहते हुए वैश्विक प्रतिस्पर्धा में अपनी पहचान बना सकेंगी।

हरियाणा में सहकारिता नई ऊर्जा और नई सोच के साथ बढ़ रही आगे
डॉ. अरविंद शर्मा

इस अवसर पर संबोधित करते हुए सहकारिता मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश में सहकार आंदोलन को आगे ले जाने के लिए वर्ष 2021 में सहकारिता मंत्रालय का गठन किया। उनके सहकार से समृद्धि के संकल्प को केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह ने जो दिशा दी है, उसे मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा मजबूती से आगे बढ़ रहा है। सहकारिता मंत्री ने कहा कि

विकसित भारत, आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को सिद्धि तक लेकर जाने में सहकारिता क्षेत्र का महत्वपूर्ण योगदान रहेगा। हम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी की नई ऊर्जा, नई सोच और एकता के साथ नई राष्ट्रीय सहकारिता नीति को प्रदेश के किसान, युवा, महिलाओं के स्वरोजगार व आत्मनिर्भर क्षेत्र में आगे बढाने के उद्देश्य से लागू करेंगे।

उन्होंने कहा कि जो पैक्स महज लोन देने का काम करती थी, आज 25 प्रकार के क्षेत्र में अपार संभावनाओं के अवसर बन रही हैं। उन्होंने कहा कि देश की पहली सहकारिता यूनिवर्सिटी के साथ मिलकर हरियाणा अलग–अलग कालेज व यूनिवर्सिटीज को जोड़ेगा, ताकि सहकारिता को विस्तार दिया जा सके।

इस अवसर पर हरियाणा राज्य सहकारी कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक के अध्यक्ष श्री अमर पाल राणा, डेयरीफैड के अध्यक्ष श्री राम अवतार गर्ग, पंचकुला मेयर श्री कुलभूषण गोयल, शिवालिक विकास बोर्ड के उपाध्यक्ष श्री ओम प्रकाश देवीनगर, सहकारिता विभाग हरियाणा के सभी वरिष्ठ अधिकारी, उपायुक्त, पंचकुला श्री सतपाल शर्मा, पुलिस उपायुक्त, पंचकूला सृष्टि गुप्ता , स्वयं सहायता समूहों के प्रतिनिधि, महिला सहकारिता समितियों की सदस्य और युवा उद्यमी उपस्थित रहे।

इस मौके पर राज्यपाल ने सहकारिता एवं स्वदेशी मेला में लगाई गई प्रदर्शनी के विजेताओं को सम्मानित भी किया।

हरकोबैंक के प्रबंध निदेशक श्री प्रफुल्ल रंजन को सम्मानित करते माननीय राज्यपाल, हरियाणा प्रो. असीम कुमार घोष

डेयरीफैड के मुख्य महाप्रबंधक श्री रजनीश शर्मा को सम्मानित करते माननीय राज्यपाल, हरियाणा प्रो. असीम कुमार घोष

सहकारिता सामाजिक न्याय और ग्रामीण सशक्तिकरण का मजबूत माध्यम

–डॉ. अरविंद कुमार शर्मा

सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के अवसर पर हरियाणा विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दौरान सहकारिता आंदोलन की भूमिका, उसकी पारदर्शिता और किसानों के हितों से जुड़े विषयों पर विस्तार से अपने विचार रखे।

डॉ. अरविंद शर्मा ने इस अवसर पर अपने पूरे विभाग की ओर से मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी का हार्दिक धन्यवाद एवं सम्मान प्रकट किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी तथा केंद्रीय सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह के मार्गदर्शन में केंद्र सरकार ने समाज के हर कोने तक विकास तथा न्याय पहुंचाने का कार्य किया है।

सहकारिता मंत्री ने कहा कि सहकारिता को एक मजबूत स्तंभ मानते हुए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की दूरदर्शी सोच के कारण प्रदेश में सहकारी आंदोलन को नई दिशा मिली है। मुख्यमंत्री ने यह सुनिश्चित किया है कि सहकारिता केवल कागजों तक सीमित न रहे, बल्कि गांव–गांव और कस्बे–कस्बे तक पहुंचे।

डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि छोटे किसानों और आम जनता तक सहकारी संस्थाओं की पहुंच सुनिश्चित करने के लिए इन्हें और अधिक पारदर्शी, जवाबदेह एवं सहयोगी बनाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि किसानों के हित में पैक्स के ऋण पर ब्याज माफ करना मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी का अत्यंत सराहनीय निर्णय है, जिससे किसानों को बड़ी राहत मिली है। उन्होने कहा कि सहकारिता विभाग को केवल आर्थिक हितों तक सीमित न रखकर इसे सामाजिक न्याय, ग्रामीण सशक्तिकरण और सामूहिक विकास के सशक्त माध्यम के रूप में देखा जाए ।

विकसित भारत के संकल्प में सहकारिता का होगा महत्वपूर्ण योगदान, देश में स्थापित की जाएंगी 150 चीनी मिल

– डॉ. अरविंद कुमार शर्मा
सहकारिता मंत्री

प्रदेश के सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद कुमार शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत संकल्प को पूरा करने के लिए केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने देश में 150 नई चीनी मिलें स्थापित करने का लक्ष्य रखा है। इस कड़ी में प्रदेश के नारायणगढ़ में चीनी मिल स्थापित करने की दिशा में काम किया जा रहा है। मुख्यमंत्री जी ने गन्ना किसानों को देश में सर्वाधिक गन्ना फसल की दर 415 रुपए प्रति क्विंटल घोषित की है। आज हरियाणा अन्य राज्यों के मुकाबले समय पर भुगतान एवं अन्य सुविधाएं देने में अग्रणी है। उन्होने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के देश को वर्ष 2047 तक विकसित भारत बनाने के संकल्प को पूरा करने में सहकारिता क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका रहने वाली है।

सहकारिता मंत्री ने सहकारी चीनी मिलों के पेराई सत्र का किया विधिवत शुभारंभ

चौ. देवीलाल सहकारी चीनी मिल, आहुलाना, गोहाना के 25वें पेराई सत्र का शुभारंभ

सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने गोहाना के आहुलाना गांव स्थित चौ. देवीलाल सहकारी चीनी मिल के 25वें पेराई सत्र 2025–26 का शुभारंभ किया। इस समय उनके साथ उनकी पत्नी डॉ. रीटा शर्मा भी मौजूद रहीं। सहकारिता मंत्री ने कहा कि गोहाना क्षेत्र ने इस मिल की स्थापना के लिए जिस संघर्ष का सामना किया, आज उस प्रयास का परिणाम क्षेत्र की प्रगति के रूप में सामने है। किसान की मेहनत, पसीना और विश्वास ही इस मिल की वास्तविक पूंजी है। बीते पेराई सीजन में प्रदेश के किसानों को 1211 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया, जिनमें गोहाना शुगर मिल के किसानों को 80 करोड़ रुपये और सोनीपत शुगर मिल के किसानों को 103 करोड़ रुपये का भुगतान शामिल है। पेराई सत्र के शुभारंभ समारोह में सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने पेराई सत्र 2024–25 के अंतर्गत गांव बुसाना के किसान संजय (16625 क्विंटल गन्ना) को मिल गेट पर सबसे ज्यादा गन्ना लाने तथा गांव भैंसवाल कलां सेंटर पर सबसे ज्यादा गन्ना लाने वाले किसान दर्शन को सम्मानित किया।

सेनीपत चीनी मिल के 50वें पेराई सत्र का शुभारंभः सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने सोनीपत सहकारी चीनी मिल के 50वें के पेराई सत्र

का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने किसानों को बधाई देते हुए कहा कि हरियाणा सरकार द्वारा पुराने गन्ना किसानों को दोबारा चीनी मिलों से जोड़ने के लिए किए गए प्रयासों का ही परिणाम है कि प्रदेश के चीनी मिलों में 36 लाख क्विंटल गन्ने की बढ़ोतरी हुई है। भारत में गन्ने का सबसे ज्यादा रेट उन्होंने कहा कि बीते पेराई सीजन में प्रदेश के किसानों को 1211 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया, जिनमें सोनीपत शुगर मिल के किसानों को 103 करोड़ रुपये का भुगतान शामिल है।

महम सहकारी चीनी मिल के 36वें पेराई सत्र का शुभारंभ : डॉ. अरविंद कुमार शर्मा ने महम सहकारी चीनी मिल के 36वें पेराई सत्र 2025–26 का विधिवत शुभारंभ किया। उन्होंने हवन में पूर्णाहुति डालकर पेराई सत्र के निर्विघ्न संपन्न होने की मंगल कामना की। उन्होंने ब्वॉयलर का बटन दबाकर तथा चेन में गन्ना डालकर पेराई सत्र का शुभारंभ किया। उन्होंने कैन यार्ड से गन्ने से भरी ट्रैक्टर–ट्रॉली को चलाकर चेन के पास पहुंचाया। डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि सरकार द्वारा प्रदेश के अनेक चीनी मिलों का विस्तार किया गया है। चीनी मिल किसानों के संघर्ष का परिणाम है। चीनी मिल उद्योग आत्मनिर्भर भारत के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगा। मिल द्वारा सरकार के सहयोग से पेराई सत्र 2024–25 की गन्ना फसल की संपूर्ण राशि का किसानों को भुगतान किया जा चुका है। वर्तमान पेराई सत्र के दौरान मिल में चीनी रिकवरी दर बढ़ाने के प्रयास किए जायेंगे तथा चीनी की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाएगा ताकि अच्छी गुणवत्ता की चीनी उत्पादित कर मिल की वित्तीय स्थिति को सुदृढ़ किया जा सके। उन्होंने मिल प्रशासन से कहा कि वे किसानों के साथ संवाद बढ़ाये तथा किसानों को ज्यादा क्षेत्र में गन्ना उत्पादन के लिए प्रोत्साहित करें। वर्तमान में महम चीनी मिल के साथ 1200 किसान जुड़े हुए हैं तथा इस वर्ष 200 नए किसान मिल से जुड़े है एवं गन्ना क्षेत्रफल में भी वृद्धि हुई है।

गन्ना उत्पादकों को अनेक प्रोत्साहन दिए जा रहे है। उन्होंने आश्वस्त किया कि सरकार द्वारा वर्तमान पेराई सत्र में गन्ना की फसल का भुगतान समय पर किया जाएगा। सरकार किसानों की गन्ने की फसल की कटाई की समस्या का समाधान करने के लिए भी प्रयासरत है। अंत में उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा महम की ऐतिहासिक चीनी मिल की पुरानी ट्राबाइनों को बदलवाया जाएगा तथा गन्ना किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त पेयजल पेयजल उपलब्ध करवाया जाएगा।

इसी प्रकार सहकारिता मंत्री हरियाणा ने डाहर चीनी मिल के 69वें पेराई सत्र, रोहतक के भाली आनंदपुर स्थित चीनी मिल के 70वें पेराई सत्र, जींद सहकारी चीनी मिल के 2025–26 के पेराई सत्र, असंध चीनी मिल के 18वें पेराई सत्र, कैथल चीनी मिल के 35वें पेराई सत्र का वर्चुअल शुभारंभ किया।

बी.बी.एस.एस.एल, एन.सी.ओ.एल. और हैफेड हरियाणा के बीच किसानों के आर्थिक विकास और व्यवसायिक सहयोग हेतु समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

भारतीय बीज सहकारी समिति लिमिटेड, नेशनल कोऑपरेटिव ऑर्गेनिक लिमिटेड और हैफेड हरियाणा के बीच किसानों के आर्थिक विकास और व्यवसायिक सहयोग हेतु समझौता ज्ञापन पर श्री जोगेन्द्र सिंह, महाप्रबंधक, हैफेड, बी.बी.एस.एस.एल की तरफ से श्री जय प्रकाश सिंह, प्रमुख सहकारी सेवाएं और एन.सी.ओ.एल की तरफ से श्री उज्जवल नारायण सीनियर रीजनल मैनेजर ने दिंनाक 01 सितम्बर 2025 को हैफेड कॉर्पोरेट ऑफिस, सेक्टर–5 पंचकूला में हस्ताक्षर किये।

अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 के तहत सहकारिता को समर्पित कार्यक्रमों की श्रृंखला में सहकारिता मंत्रालय, भारत सरकार ने चावल और अन्य खाद्य वस्तुओं के निर्यात, प्रमाणित बीजों के उत्पादन और आपूर्ति तथा जैविक उत्पादों के विपणन के लिए तीन राष्ट्रीय स्तर की सहकारी समितियां, राष्ट्रीय सहकारी निर्यात लिमिटेड (एन.सी.ई.एल.), राष्ट्रीय सहकारी जैविक लिमिटेड ;(एन.सी.ओ.एल.) और भारतीय बीज सहकारी लिमिटेड (बी.बी.एस.एस.एल.) की स्थापना की है। सहकारिता मंत्रालय, भारत सरकार के निर्णय अनुसार निर्यात, प्रमाणित बीजों और जैविक उत्पादों के लिए इन तीन राष्ट्रीय समितियों के साथ समन्वय हेतु हरियाणा राज्य में हैफेड को नोडल एजेंसी के रूप में नामित किया है। हैफेड किसानों को उन्नत बीज, गुणवत्तापूर्ण खाद्यान्न व जैविक उत्पादों की मार्केटिंग सुनिश्चित करेगा।

इस अवसर पर राष्ट्रीय स्तर की समिति, भारतीय बीज सहकारी समिति की प्रासंगिकता व औचित्य पर विस्तार से तथ्यात्मक जानकारी साझा की गई। अतिरिक्त मुख्य सचिव, सहकारिता हरियाणा श्री विजयेंद्र कुमार ने बताया कि सहकारी समिति जो अभी तक सदस्यता आवेदन नहीं कर पाई है उन्हें भी सदस्यता आवेदन करने हेतु आवश्यक प्रयास करते हुए दिशा निर्देश जारी किए जाएंगे। उन्नत बीज उत्पादन व शोध विपणन में हैफेड हरियाणा की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी। इसके अलावा एनसीओएल द्वारा आर्गेनिक खाद्यान वस्तुए की मार्केटिंग हैफेड और कोआपरेटिव मार्केटिंग सोसायटीज द्वारा की जाएगी। प्रबन्ध निदेशक हैफेड ने बताया कि सहकारी समितियों से समयानुसार उचित कार्यक्रम बना कर आगे बढ़ने का प्रयास किया जाएगा जिसमें बीबीएसएसएल, एनसीओएल और हैफेड समय समय पर आवश्यक समन्वय स्थापित करें।

इस समझौते के तहत हैफेड हरियाणा उन्नत बीज उत्पादन, प्रमाणित एवं विपणन में सक्रिय भूमिका निभाएगा, जबकि एनसीओएल द्वारा ऑर्गेनिक खाद्यान्न वस्तुओं का विपणन हैफेड और सहकारी विपणन समितियों के माध्यम से किया जाएगा। इस समझौते से उपभोक्ताओं को सुरक्षित, गुणवत्तापूर्ण और जैविक खाद्यान्न उत्पादों की उचित कीमत पर उपलब्ध होंगे। भारतीय बीज सहकारी समिति का उद्देश्य हरियाणा राज्य और देश के अन्य राज्यों में किसानों के लिए प्रमाणित उच्च–गुणवत्ता वाले बीजों की उत्पादन, अनुसंधान एवं विपणन करना है।

अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष में हरियाणा सहकारी चीनी मिल्ज़ प्रसंघ : सहकारिता, सतत विकास और सामुदायिक उत्थान का प्रतीक

कैप्टन शक्ति सिंह, आई.ए.एस.,
प्रबंध निदेशक, हरियाणा शुगरफ़ेड

संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा वर्ष 2025 को **अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष (International Year of Cooperatives—IYC)** घोषित किया जाना इस तथ्य का वैश्विक प्रमाण है कि सहकारिता केवल एक आर्थिक मॉडल नहीं, बल्कि समाज को जोड़ने, संवारने और सशक्त बनाने वाला मानवीय आंदोलन है। इस वर्ष की थीम—**"Cooperatives Build a Better World"**—उस परिवर्तनकारी शक्ति की ओर संकेत करती है, जिसके माध्यम से सहकारी संस्थाएँ आर्थिक प्रगति को जनसहभागिता से जोड़ते हुए पर्यावरणीय संतुलन और सामाजिक न्याय का मार्ग प्रशस्त करती हैं। IYC–2025 की इसी प्रेरक भावना को धरातल पर उतारते हुए हरियाणा सरकार ने एक **State Apex Committee (SAC)** का गठन किया है, जिसकी अध्यक्षता माननीय मुख्यमंत्री स्वयं कर रहे हैं। यह समिति राज्य के सहकारी तंत्र को नई दृष्टि, नई ऊर्जा और स्पष्ट दिशा प्रदान कर रही है, ताकि IYC–2025 के अंतर्गत आयोजित सभी गतिविधियाँ पारदर्शिता, नवाचार, सदस्य–सशक्तिकरण और सतत विकास के मूल सिद्धांतों के अनुरूप हों।

इन्हीं प्रयासों के केंद्र में हरियाणा की सहकारी चीनी मिलें—**हरियाणा शुगरफ़ेड** के नेतृत्व में—ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई उड़ान देने वाला महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। सामुदायिक सेवा, पर्यावरण–संरक्षण, किसानों के कौशल–विकास, तकनीकी नवाचार और सुशासन के क्षेत्र में उनके द्वारा किए जा रहे कार्य न केवल सहकारिता की जड़ों को और मजबूत कर रहे हैं, बल्कि ग्रामीण समाज में आत्मविश्वास, अवसर और आर्थिक स्थिरता का नया अध्याय भी लिख रहे हैं।

IYC–2025 के अवसर पर आयोजित सामाजिक पहलों में से **सबसे महत्वपूर्ण रक्तदान अभियान** रहा, जिसमें राज्य की सभी 10 सहकारी चीनी मिलों ने सक्रिय भागीदारी निभाते हुए कुल **413 रक्त इकाइयों का** संग्रह किया। इस अभियान में पानीपत (55 यूनिट), गोहाना (46 यूनिट), जींद (51 यूनिट), शाहाबाद (51 यूनिट) और महम (48 यूनिट) ने उल्लेखनीय प्रदर्शन किया। इसके साथ ही, करनाल (27 यूनिट), पलवल (39 यूनिट), कैथल (32 यूनिट), रोहतक (19 यूनिट) तथा सोनीपत (45 यूनिट) ने भी इस सामाजिक उत्तरदायित्व पहल में सराहनीय योगदान दिया। यह सामूहिक प्रयास सहकारिता की मानवीय भावना और समुदाय के प्रति संवेदनशील प्रतिबद्धता को दर्शाता

इस पहल ने सभी मिलों में सहकारिता की मानवीय भावना को एकजुट किया। यह अभियान न केवल रक्त की उपलब्धता बढ़ाने में सहायक रहा बल्कि सहकारी मिलों और समुदाय के बीच विश्वास एवं सहयोग को भी गहराई से मजबूत करता है।

सामाजिक उत्तरदायित्व के साथ–साथ IYC–2025 के अंतर्गत पर्यावरण संरक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सहकारी शुगर मिलों ने बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण अभियान भी संचालित किए, जिसके तहत कुल 11,620 पौधों का व्यापक वृक्षारोपण किया गया। यह वृक्षारोपण **"एक पेड़ माँ के नाम"** अभियान के तहत किया गया। इसमें **जींद (2,650), करनाल (1,550), पानीपत (1,200), मेहम (1,200) और गोहाना (1,150)** प्रमुख योगदानकर्ताओं में शामिल रहे, जबकि अन्य मिलों—कैथल, शाहाबाद, सोनीपत,

रोहतक और पलवल—ने भी पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यह अभियान सहकारिता क्षेत्र की हरित प्रतिबद्धता और सतत विकास के प्रति उनकी गंभीरता को दर्शाता है। ये प्रयास दर्शाते हैं कि सहकारी संस्थाएँ केवल आर्थिक इकाइयाँ नहीं हैं, बल्कि पर्यावरण–संरक्षण में भी अग्रणी भूमिका निभाने वाली शक्तिशाली सामाजिक संस्थाएँ हैं।

इसी क्रम में पारदर्शिता और सुशासन को सुदृढ़ बनाने के लिए सहकारी शुगर मिलों में "Increasing Transparency in Cooperative Sugar Mills" विषय पर विशेष कार्यशालाएँ आयोजित की गईं, जिनमें गोहाना, कैथल, पानीपत, पलवल, रोहतक और सोनीपत की मिलों ने भाग लिया। इन कार्यशालाओं का उद्देश्य प्रबंधकीय दक्षता को बढ़ाना, किसानों–मिल संपर्क को मजबूत करना और सहकारी संस्थाओं में जवाबदेही को गहन करना था। इसके साथ ही, किसानों के कौशल–विकास के लिए शाहाबाद और करनाल मिलों में कृषि विज्ञान केंद्र के विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षण–सेमिनार भी आयोजित किए गए, जिनमें गन्ने की उन्नत किस्मों, आधुनिक कृषि तकनीकों, उत्पादन बढ़ाने एवं लागत घटाने की रणनीतियों पर विस्तृत मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

साथ ही, सैंतालीस गन्ना खरीद केंद्रों का आधुनिकीकरण भी तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है |गन्ना खरीद केंद्रों के आधुनिकीकरण के तहत केंद्रों पर इंटरलॉकिंग टाइल्स/पेवर्स लगाए जाएंगे ताकि मिट्टी न उठे और संचालन सुचारु रहे। सभी केंद्रों पर डिजिटल तौल व्यवस्था (लोड सेल) स्थापित कर इसे ऑनलाइन केन मैनेजमेंट सिस्टम से जोड़ा जाएगा। इसके साथ ही, कम लागत वाले मोबाइल वैन–आधारित ढाँचे विकसित किए जाएंगे, जिन्हें सीज़न और ऑफ-सीज़न में आसानी से स्थानांतरित और संचालित किया जा सके।इस आधुनिकीकरण से किसानों को समय की बचत, सुविधाजनक प्रक्रिया और अधिक पारदर्शी खरीद व्यवस्था सुनिश्चित होगी ।

हरियाणा की सहकारी चीनी मिलें आज ग्रामीण अर्थव्यवस्था, सामाजिक उत्तरदायित्व और पर्यावरण संरक्षण की नई दिशा निर्धारित कर रही हैं। IYC–2025 के दौरान रक्तदान एवं वृक्षारोपण जैसी पहलों ने सहकारिता की संवेदनशीलता और सामुदायिक शक्ति को मजबूत किया है। पारदर्शिता एवं सुशासन पर आयोजित कार्यशालाओं ने मिलों की प्रबंधकीय दक्षता और किसानों से संवाद को और सुदृढ़ किया है। साथ ही, कृषि विज्ञान केंद्रों द्वारा दिए गए तकनीकी प्रशिक्षण ने किसानों को आधुनिक खेती और अधिक उत्पादन की दिशा में सक्षम बनाया है। गन्ना खरीद केंद्रों के आधुनिकीकरण—जैसे डिजिटल तौल, इंटरलॉकिंग टाइल्स व मोबाइल वैन आदि—से खरीद प्रक्रिया अधिक सुचारु, पारदर्शी और किसान–हितैषी बनी है। इन सब प्रयासों से स्पष्ट है कि हरियाणा शुगरफ़ेड की सहकारी मिलें सिर्फ उद्योग नहीं, बल्कि ग्रामीण समृद्धि की प्रेरक शक्ति बनकर उभर रही हैं।

हरियाणा सरकार द्वारा ऋणी किसानों / सदस्यों के लिए 'वन टाईम सेटलमेंट' (ओ.टी.एस) योजना 2022 को 31 मार्च 2026 तक बढ़ाने की घोषणा।

विकास बैंक (लैण्ड मोर्गेज बैंक) के अतिदेय त्रऋणी सदस्यो के लिए 'एक मुक्त हरियाणा सरकार द्वारा, हरियाणा राज्य सहकारी कृषि एवं भूमि ऋण माफी योजना (ओ.टी.एस) योजना 2022 को 31 मार्च 2026 तक बढ़ाया दिया गया है। इसकी जानकारी बैंक के अध्यक्ष श्री अमर पाल राणा द्वारा मुख्यालय में अयोजित राज्य के सभी जिला मुख्य कार्यकारी अधिकारी व प्रबन्धकों की बैठक के दौरान दी गई।

उन्होने बताया कि, इस योजना के तहत जिला प्राथामिक सहकारी कृषि एंव ग्रामीण विकास बैंक के त्रऋणी सदस्यों के लिए मुख्य रूप से मृत ऋणियों के ऋण–खाते में अतिदेय ब्याज में 100 प्रतिशत छूट प्रदान की जाएगी। इसके लिए मृत ऋणी के उत्तराधिकारीध्उत्तराधिकारियों द्वारा ऋण खाते में पूरा मूलधन जमा करवाने पर अतिदेय ब्याज की 100 प्रतिशत माफी प्रदान की जाएगी और जुर्माना ब्याज व अन्य खर्च भी माफ किया जाएगा। बैंक के कुल मृत एवं विधवा ऋण धारकों की संख्या 17229 है जिनकी तरफ 190.70 करोड़ रूपए मूलधन तथा 246.77 करोड़ रूपए ब्याज व 41.68 करोड़ पैनल ब्याज के रूप में कुल राशि 479.14 करोड़ रूपए बकाया है।

इसके अतिरिक्त ओ.टी.एस योजना–2022 में अन्य सभी अतिदेय ऋणियों को 50 प्रतिशत ब्याज की छूट दी जाएगी और जुर्माना ब्याज व अन्य खर्च भी माफ किया जाएगा। यह योजना बैंक के सभी प्रकार के ऋणों पर लागू रहेगी। योजना के अनुसार यदि ऋण धारक किन्हीं कारणों से अपने ऋण का भुगतान नहीं कर सका और 31.03.2022 को बैंक द्वारा

डिफाल्टर घोषित कर दिया गया वह इस योजना का लाभ ले सकता है।

गौरतलब है कि 19 जिला प्राथमिक सहकारी कृषि एंव ग्रामीण विकास बैंकों के कुल 61767 अतिदेय ऋणियों की तरफ कुल 1857.92 करोड रूपये अतिदेय है (मूलधन 723.55 करोड़ रूपए व ब्याज 1002.91 करोड. रूपए व 131.47 करोड़ रूपए जुर्माना ब्याज)। उन्हें अपना ऋण अदा करने हेतू सरकार द्वार पुनः ओ.टी.एस योजना–2022 को बढ़ाया गया है।

उन्होने बताया कि यह योजना सीमित समय के लिए बढ़ाई गई है इसलिए 'पहले आएं पहले पाएं' की तर्ज पर योजना का लाभ उठाएं। योजना का लाभउठाने व अधिक जानकारी के लिए 19 जिला प्राथमिक सहकारी कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक व इनकी तहसील स्तर पर स्थापित 70 शाखाओं में सम्पर्क करें।

बैठक में बैंक के प्रबंध निदेशक श्री नरेश गोयल समेत बैंक के सभी वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

हरकोफैड और कालका स्कूल की ओर से राष्ट्रीय एकता दिवस पर भव्य पदयात्रा एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

लोहपुरुष सरदार वालभभाई पटेल जी की 150वीं जयंती पर राष्ट्रीय एकता दिवस के उपलक्ष्य में राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, कालका, ट्रैफिक पुलिस, कालका एवं हारकोफेड हरियाणा द्वारा कालका के मेन बाजार में रन फॉर यूनिटी कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय प्रांगण से हुआ, जहाँ स्कूल प्राचार्य श्री राजकुमार आर्य ने सरदार पटेल को पुष्पांजलि अर्पित कर सभी छात्रों एवं उपस्थित अध्यापकों को राष्ट्रीय ऐक्य और समाजसेवा का संदेश दिया। इसके पश्चात छात्रों एवं अध्यापकों द्वारा रैलियों के माध्यम से "एक भारत, श्रेष्ठ भारत", "राष्ट्र हमारी पहचान" और "एकता में ही शक्ति" जैसे नारे लगाए गए। बच्चों एवं शिक्षकों ने स्कूल से कालका के मेन बाजार तक पदयात्रा निकाली एवं बाजार में स्कूल के विद्यार्थियों द्वारा देश भक्ति से ओत प्रोत नुक्कड़ नाटक प्रभावशाली ढंग से पेश किया गया। कार्यक्रम में कालका स्कूल के लगभग 100 विद्यार्थियों ने भाग लिया। स्कूल के प्रधानाचार्य श्री राजकुमार आर्य जी ने बताया की इस कार्यक्रम

का उद्देश्य राष्ट्रीय एकता, अखंडता तथा लौह पुरुष सरदार पटेल के अद्वितीय योगदान को स्मरण करना था। आज सुबह कालका प्रशासन द्वारा निकाली गई पदयात्रा में भी स्कूल के लगभग 800 विद्यार्थियों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया और एकता का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि आदरणीय सरदार पटेल ने देश की रियासतों को एक सूत्र में पिरोकर भारत को एकजुट राष्ट्र के रूप में स्थापित किया। उनकी दूरदर्शिता, कठोर अनुशासन और राष्ट्रभक्ति से आज की युवा पीढ़ी को प्रेरणा लेनी चाहिए।

अंत में विद्यालय प्राचार्य ने सभी प्रतिभागियों का धन्यवाद करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से देशप्रेम, सामाजिक सद्भावना और एकजुटता की भावना को बढ़ावा मिलता हैद्य कार्यक्रम में SHO कालका श्री कमलजीत, ट्रैफिक पुलिस कालका के अधिकारीगण, हरकोफैड (सहकारिता विभाग हरियाणा) के प्रचार अधिकारी श्री सौरव अत्री समेत विभाग के कर्मचारी उपस्थित रहे ओर सभी दम मिलकर कार्यक्रम को सफल बनाया ।

भारत माता की जयं

हलवासिया विद्या विहार में हरकोफैड के सहायक सहकारी शिक्षा अधिकारी देवेंद्र सिंह ने निर्देशन में युवा उत्थान में सहकारिताओं की भूमिका एवं महिला सशक्तिकरण–सहकारिताओं द्वारा विषयों पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

सहायक सहकारी शिक्षा अधिकारी देवेंद्र सिंह ने अपने प्रेरणादायी उद्बोधन में विद्यार्थियों सहकारिताओं की भूमिका से अवगत कराते हुए बताया सहकारिता केवल आर्थिक व्यवस्था नहीं बल्कि सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय की भावना पर आधारित सामाजिक विकास का प्रभावी माध्यम है। उन्होंने कहा कि हरियाणा में डेयरी, कृषि बैंकिंग, उपभोक्ता सहकारिताएं ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने और युवाओं व महिलाओं को आत्मनिर्भर करने में महतवपूर्ण भूमिका निभा रही है। उन्होंने यह भी बताया कि सहकारिता क्षेत्र अब शिक्षा, स्वास्थ्य, तकनीक, रोजगार, पर्यावरण संरक्षण जैसे क्षेत्रों में भी सक्रिय है, जिससे युवाओं को नए अवसर प्राप्त हो रहे हैं और वे देश के भविष्य निर्माण में

सार्थक योगदान दे सकते हैं। प्रतियोगिता में हलवासिया विद्या विहार की छात्रा देविका परमार ने प्रथम स्थान प्राप्त कर 2100 की धनराशि, ट्रॉफी एवं प्रशस्ति पत्र अर्जित किया।

दिनांक 29.11.2025 को हरको बैंक के श्री बिशम्बर दयाल, लेखाकार, श्री जयसिंह गोठवाल, कनिष्ठ लेखाकार व श्री धर्मपाल, लिपिक का सेवानिवृति विदाई समारोह आयोजित किया गया, इस अवसर पर हरको बैंक की उप–महाप्रबंधक श्रीमती सुधा शर्मा, अधिकारी संघ के उप–प्रधान श्री यशवीर सिंह, प्रबंधक व श्री जयपाल प्रबंधक, श्री बी.डी. अरोड़ा, निजि सचिव, कर्मचारी युनियन के उप–प्रधान श्री सूरत सिंह महासचिव श्री गोकुल सिंह अपनी शुभकामनाएं देते हुये।

विद्यार्थी भ्रमण कार्यक्रम का आयोजन

दिनांक 06.12.2025: हरियाणा राज्य सहकारी विकास प्रसंघ लि० (हरकोफैड), पंचकूला द्वारा विद्यार्थी प्रमण कार्यक्रम के अन्तर्गत राजकीय कन्या व० भा० विद्यालय बालन्द, जिला रोहतक के कक्षा 99 वी 12 वीं के 27 विद्यार्थियों अध्यापकों को जिले की सहकारी संस्थाओं और समितियों का भ्रमण कराया गया।

श्रीमति अर्चना देवी शिक्षा अनुदेशक हरकोफैड रोहतक ने विधार्थीयों को सहकारिता समितियों की कार्यप्रणाली व गतिविधियों से अवगत कराने के उद्देश्य से हैफेड में पशु संतुलित आहार अमूल, बीटा प्लांट में दुग्ध से बन रहे उत्पादकों बारे व कार्य प्रणाली बारे अवगत करवाया।

श्री रविन्द्र कुमार एस ओ हैफेड रोहतक ने हैफेड, कैटल फीड प्लांट का भ्रमण करवाते हुए दिखाया व बताया कि कैसे प्लांट में गेहूं, बाजरा, सोयाबीन, मक्का आदि अनाज, सरसो खल, कुल 12 चीजें गिक्स पीसकर उसमें राला व नमक की उचित मात्रा मिलाकर पशुओं के लिए संतुलित आहार बनाया जाता है।

मैडम साक्षी अहलावत ने भ्रमण के दौरान विद्यार्थीयों को बारीकी से समझाया कि कैसे गांव स्तर से दूध इकट्ठा व टैस्टींग कर के ब्लोक लेवल पर चिलिंग सैटरों तक जाता है और वहां से वीटा प्लांट तक इंचुलेटिड वाहन द्वारा पहुंचाया जाता है। प्लांट में फिर टेस्टींग के बाद पॉशजर के बाद दूध की कीम निकालना अलग अलग टोन की पैकिंग . दही जमाना, लस्सी बनाना, घी बनाना आदि और पैकिंग करना दिखाया व बताया गया। और प्लांट में हाईजिंक की विशेष सावधानी रखी जाती है। इस दौरान प्लांट की विभिन्न यूनिटों का दौरा कराते हुए बच्चों की विभिन्न शंकाओं का समाधान किया।

युवा कौशल विकास कार्यक्रम

राजकीय महाविद्यालय कैथल में हरियाणा राज्य सहकारी विकास प्रसंघ लिमिटेड पंचकूला हरकोफेड द्वारा आयोजित युवा कौशल विकास कार्यक्रम का आयोजन किया गया इसमें मुख्य अतिथि श्री ऋषि कुमार ए आर कोऑपरेटिव सोसाइटी कैथल रहे उन्होंने युवा कौशल विकास पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया एवं विद्यार्थियों को कौशल विकास के बारे में प्रयोग होने वाली अनेकों गतिविधियों के बारे में अवगत करवाया इस

राजकीय महाविद्यालय कैथल में हरियाणा राज्य सहकारी विकास प्रसंघ लिमिटेड पंचकूला हरकोफेड द्वारा आयोजित युवा कौशल विकास कार्यक्रम का आयोजन किया गया इसमें मुख्य अतिथि श्री ऋषि कुमार ए आर कोऑपरेटिव सोसाइटी कैथल रहे उन्होंने युवा कौशल विकास पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया एवं विद्यार्थियों को कौशल विकास के बारे में प्रयोग होने वाली अनेकों गतिविधियों के बारे में अवगत करवाया इसके साथ श्री ऋषिपाल ए एस सी इ ओ पंचकुला ने भी शिरकत की उन्होंने भी आज के थीम पर अपना प्रकाश डाला इनके साथ साथ एडवोकेट वीरेंद्र रोहिल्ला रिटायर्ड प्राचार्य भी उपस्थित रहे। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ मनोज कुमार भांभू ने अपने व्याख्यान में इन गतिविधियों को साक्षात रूप देने के लिए विद्यार्थियों का आह्वान किया और कॉलेज में पधारे सभी वक्ताओं का हार्दिक अभिनंदन किया कार्यक्रम में बच्चों को रिफ्रेशमेंट का आयोजन किया गया इसमें कॉलेज के सभी विद्यार्थी उपस्थित रहे ।

पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता

दिनांक 5.12.2025 को पब्लिक स्कूल बाल भवन भिवानी में हरकोफैड की तरफ से पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।'

यह प्रतियोगिता अंतर विद्यालय प्रतियोगिता थी तथा इसका मुख्य विषय समुदाय के प्रति निष्ठा था। सर्वप्रथम सहकारी शिक्षा अधिकारी श्री देवेंद्र सिवाच जी ने सभी विद्यार्थियों को हरियाणवी संस्कृति पर आधारित एक गीत सुनाया तथा उससे संबंधित प्रश्न पूछ कर उनका ज्ञानवर्धन किया। इस प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल की भूमिका सहकारी शिक्षा अधिकारी श्री देवेंद्र सिवाच तथा श्रीमती नीना मेहता जी ने निभाई। इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पब्लिक स्कूल बाल भवन की 12वीं की रिचि को ₹2100 नगद तथा एक शील्ड प्रदान की गई। द्वितीय पुरस्कार टीआईटी की पारुल को मिला जिसे ₹1500 नगद तथा एक शील्ड प्रदान की गई । तृतीय पुरस्कार जी लिट्रा स्कूल की अलका को मिला जिसे ₹1100 नगद तथा शील्ड प्रदान की गई ।

सांत्वना पुरस्कार डीएवी स्कूल के हर्षित तथा केएम स्कूल की रितिका को मिला जिन्हें ₹700 नगद तथा शील्ड प्रदान की गई । अंत में कार्यक्रम की अध्यक्षा श्रीमती मंजूषा जी ने सभी प्रतिभागियों का तथा उपस्थित अध्यापक गण का आभार व्यक्त किया। सहकारी शिक्षा अधिकारी श्री देवेंद्र सिवाच जी ने विद्यालय प्रधानाचार्या श्रीमती मंजूषा, फाइन आर्ट प्राध्यापिका श्रीमती नीना मेहता और मंच संचालक अंजू बाला तथा विकास सोनी तथा अन्य सभी अध्यापक गण और बच्चों का आभार व्यक्त कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

नेतृत्व विकास कार्यक्रम का आयोजन

दिनांक 11.12.2025 हरियाणा राज्य सहकारी विकास प्रसंघ लि0 (हरकोफैड), पंचकूला द्वारा वीटा प्लांट रोहतक के प्रागंण में ''गतिशील नेतृत्व द्वारा सहकारिता का विकास'' विषय पर श्री रामनिवास यादव चेयरमैन दि रोहतक सहकारी दुग्ध उत्पादक संघ रोहतक की अध्यक्षता ने नेतृत्व विकास कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

श्री सत्यानारायण यादव सहायक सहकारी शिक्षा अधिकारी हरकौफैड पंचकूला वृत कार्यालय रोहतक व एंव अर्चना देवी शिक्षा अनुदेशक हरकोफैड रोहतक ने सभी का अभिवादन करते हुए हरकोफैड की गतिविधियों बारे बताया व कार्यक्रम के उद्देश्य पर प्रकाश डाला और कार्यक्रम की आवश्यकता व उद्देश्य बारे बोलते हुए कहा कि सहकारी आन्दोलन को यदि सही दिशा में विकसित करना है, इसके सिद्धान्त व दर्शन पर चलना है तो इसमें अच्छे नेतृत्व का उभरना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि अच्छे नेतृत्व के कोई भी जन आन्दोलन चाहे वह आर्थिक, सामाजिक व राजनैतिक हो, की सफलता की इच्छा रखना व्यर्थ है उन्होंने सहकारी आन्दोलन को नेतृत्व की नर्सरी बताते हुए कहा कि सहकारी आन्दोलन से निकले हुए नेताओं ने विभिन्न सम्मानित पदो पर रहते हुए देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

श्री सत्यानारायण यादव सहायक सहकारी शिक्षा अधिकारी हरकोफैड पंचकूला वृत कार्यालय रोहतक ने आगे बताते हुए कहा कि सहकारिता एक उच्च प्रकार की सोच है जिसे नीति नियम सिद्धान्त व सहकारी मूल्यों पर चलकर सहकारी सोच के साथ सहकारी समितियों का बिजनेस मॉडल से समाज में आर्थिक सामाजिक समृद्धि आसानी से लाकर अपने यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का सपना सहकार से समृद्धि को साकार बनाने का आव्हान किया।

श्री सन्दीप कुमार प्रक्योरमौन्ट इन्चार्ज वीटा प्लांट रोहतक ने अपने सम्बोधन में दुग्ध समितियों के माध्यम से वीटा डेयरी से जुडे महिला व पुरूष सदस्यों को दी जा रही सुविधाओं बारे बताया उन्होंने छात्रवृति योजना, बीमा योजना, कन्यादान योजना व अन्य योजनाओं बारे विस्तार से समझाया। प्रबन्धक कमेटी की शक्तियों का एहसास कराते हुए बताया कि प्रबन्धक कमेटी आम सभा के प्रतिनिधि के तौर पर समिति व सदस्यों के उत्थान हेतू सहकारी अधिनियम, नियम व समिति के उपनियम के दायरे में रहकर कोई भी कार्य रहने में सक्षम है। उन्होंने

कृषि विज्ञान से आए प्रंसीपल वैज्ञानिक डॉ. अशोक देशवाल ने अच्छे बीज बनाने के बारे में विस्तार से बताया और डॉ. वर्षा रानी ने बीजों के रख–रखाव व मार्केटिंग के बारे में विस्तार से बताया।

डॉ. रमेश वर्मा वरिष्ठ प्रबंधक इफको नई दिल्ली ने नैनो यूरिया व नैनो डी.ए.पी. के महत्वपूर्ण परिणाम के बारे में बताया। उन्होंने बताया के नए भारत के निमार्ण के लिए नई तकनीकी का प्रयोग करना आवश्यक है।

संगोष्ठी के मुख्य अतिथि श्री हुकम सिंह भाटी चेयरमैन हरकोबैंक ने बताया कि हमारे किसान भाई और विभिन्न समितियों से आए सहकार बन्धु सी.एम. पैक्स बनाकर किसान को उच्च प्रकार के बीज उपलब्ध करना समेत है इससे किसानों को अच्छे बीज के साथ–साथ नियंत्रित मुल्यों में बीज उपलब्ध हो सकेगे।

उन्होंने कहा कि बी.बी. एस.एस.एल. माननीय प्रधानमंत्री के 'सहकार से समृद्धि' के स्वप्न के साकार करने में एक सशक्त माध्यम होगी। 'सहकारिता से समृद्धि' का मंज भारतीय संस्कृति गहराई से सम्माहित है।

बीजा सहकारी समिति विकास संगोष्ठी का आयोजन

दिनांक 02.12.2025 को दी हरियाणा राज्य सहकारी समिमि विकास प्रसंघ पंचकुला के तत्वाधान से अनाज मण्डी मोहना जिला फरीदाबाद में बीज सहकारी समितियां विकास संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें श्री हुकम सिंह भाटी चेयरमैन हरकोफैड चण्डीगढ़ ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की।

इसमें मुख्य वक्ता श्री धर्मजीत कनुनगों, भारतीय बीज सहकारी समिति लि0 नई दिल्ली, डॉ. रामेश वर्मा वरिष्ठ प्रबंधक इफको नई दिल्ली, डॉ. अशोक देशवाल प्रिंसीपल वैज्ञानिक, डॉ. वर्षा रानी वैज्ञानिक कृषि विज्ञान केन्द्र फरीदाबाद और श्री सत्यानारायण यादव सहायक सहकारी शिक्षा अधिकरी रहे।

संगोष्ठी के शुरूआत में श्री सत्यानारायण यादव ए.सी.ई.ओ. और हरकोफैड पंचकूला रोहतक ने मुख्य अतिथि व अतिथि वक्ताओं का स्वागत किया और विभिन्न सहकारी समितियां व गांवों से आप सहकारी बन्धुओं का स्वागत करते हुए बताया कि भारत सरकार के सहकारी मन्त्रालय द्वारा किसानों को उच्च गुणवत्ता वाले बीज उपलब्ध करवाने, बीज उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने और किसानों की आय बढ़ाने के लिए 25 जनवरी 2023 को भारतीय बीज सहकारी समिति को बहु राज्य सहकारी समितियां अधिनियम 2002 के तहत पंजीकृत किया गया है।

धर्मजीत कनुनगों मैनेजर लीड रोल्स एवं मार्केटिंग भारतीय बीज सहकारी समिति नई दिल्ली ने बताया की भारतीय बीज सहकारी समिति भारत बीज ब्राड के तहत प्रमाणित ओर गुणता वाले बीजों की पूरे भारत में उपलब्ध करवा रही है। सहकारी समितियों के नेटवर्क से पूरे भारत से अच्छी गुणवत्ता के बीज उपलब्ध करवा कर किसानों की पैदावार व आय को बढ़ाया जा सके।

Empowering Farmers and Boosting Self-Reliance: GCMMF and Sarhad Dairy Launch New Cooperative in Kutch

By Dr. Mridul Trikha, Faculty Regional Institute of Cooperative Management, Sector-32, Chandigarh

In a landmark initiative aimed at empowering farmers and strengthening India's path to self-reliance, the Gujarat Cooperative Milk Marketing Federation (GCMMF), in collaboration with Sarhad Dairy, has launched the **Shree Kutch District Dariya Kantha Vistrani Mitha Utpadak and Vahechan Sahkari Mandli Limited** in the Kutch district — a region renowned as the heart of India's salt production. This has uplifted the organization and working environment of the local producers as it has become a robust platform for market access also and preservation and sustainable development too. The initiative of the cooperative has been composed to transform the rural economy which could be further done by integrating modern cooperative frameworks with traditional methods. The cooperative, which is located in the Kutch district of Gujarat — widely known as the heart of India's salt production — focuses on enhancement of the livelihoods of local communities by creating structured market access which means the method of distribution and market access has become easier which helps in getting fair pricing mechanisms not only for dairy products but also for other rural products. Therefore:

-
- Today, it thrives with over 650 village societies, 19 chilling centers, and daily collections exceeding 400,000 liters.
- In FY 2023–24, the cooperative saw procurement rise 15% and a turnover of ₹1,100 cr—a 20% year-on-year increase.

Innovation strategies used by the cooperative

- **Decentralized Milk Collection with Tech Integration**

Decentralization is very important in every business delegation becomes possible and the work gets divided .They use digital milk collection systems which are installed across 650+ village-level societies. Also SMS alerts are given to ensure transparency, trust, and timely payment for farmers.

- **Green Infrastructure: Solar-Powered Plants**

It has been found that India's first solar-powered milk processing plant is in Kutch (Chandrani, 2022) having Capacity of 2 Lakh Litres per Day (LLPD), expandable to 6 LLPD. Therefore it reduces operating costs and promotes eco-friendly rural development. Additional solar setups are also ensured which includes: cattle feed plants, chilling centers, and storage units.

- **Camel Milk Commercialization**

It is the first Indian dairy to standardize and commercialize camel milk (2019)—a regional resource previously underutilized. Moreover it has also developed UHT and freeze-dried camel milk powder which is distributed and branded under Amul. Therefore it has been great step for procurement and empowering of the remote camel herders.

- **Diversification into High-Value Products**

Except traditional milk it also launched paneer, mawa, ghee, curd, and recently ice cream (2024) followed by fruits & vegetable processing unit underway—aims to absorb local produce, reduce wastage, and boost non-dairy income. Strategy used by them is to turn the dairy into a multi-sector agro-processing hub.

- **Women-Centric Cooperative Models**

As we all know ministry of cooperation has taken initiatives to support women centric cooperatives. Therefore, this cooperative has formed 125+ women-led dairy cooperatives which involve 10,000+ female farmers. Also Dedicated training, financial inclusion, and access to veterinary and AI services have also been introduced recently.

- **Veterinary Innovation & Herd Management**

They have also launched mobile vet vans, telemedicine consultations, and periodic health camps which support the medical conditions followed by providing subsidized feed, mineral mixtures, and artificial insemination services. Therefore, It has increased productivity per animal, reduced mortality, and stronger livestock genetics.

- **Supply Chain Modernization with GCMMF**

It has integrated cold-chain logistics using solar chilling centers, reefer vans, and a Bhuj warehouse which has improved shelf-life, safety, and rapid movement from remote Kutch to urban Amul markets. Also, the tech-enabled traceability from farmer to consumer has also become possible.

Therefore, The Gujarat Cooperative Milk Marketing Federation (GCMMF), through its iconic brand Amul, has consistently demonstrated that innovation is key to sustainable growth in the dairy industry. From pioneering the cooperative model to leveraging cutting-edge technology in supply chain management, product development, and marketing, GCMMF has set a benchmark in agricultural innovation. As a result, GCMMF stands as a testament to how grassroots innovation, combined with strategic vision, can transform a sector and positively impact the economy and society at large.

NANO TECHNOLOGY
NANO UREA & DAP

SAHKAR SE SAMRIDDHI
Aatmanirabhar Bharat, Aatmanirbhar Krishi

IFFCO
पूर्णतः सहकारी स्वामित्व
Wholly owned by Cooperatives

IFFCO NANO UREA Plus
and
IFFCO NANO DAP
Promises
More Yield And More Profit

World's First Nano Fertilizer by IFFCO

500 ML Bottle ₹225/- only
Contains 20% NITROGEN
FREE ACCIDENT INSURANCE
500 ML Bottle ₹600/- only

IFFCO Nano UREA Plus Liquid
IFFCO Nano DAP Liquid

IFFCO
पूर्णतः सहकारी स्वामित्व
Wholly owned by Cooperatives

INDIAN FARMERS FERTILISER COOPERATIVE LIMITED
IFFCO Sadan, C-1 District Centre, Saket Place, New Delhi - 110017, INDIA
Phones: 91-11-26510001, 91-11-42592626. Website: www.iffco.coop

पंचकुला में आयोजित 72वें सहकारिता सप्ताह 2025 के राज्य स्तरीय समापन समारोह के अवसर पर माननीय सहकारिता मंत्री, हरियाणा डॉ. अरविंद कुमार शर्मा जी का अभिवादन करते अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री विजयेंद्र कुमार, भा.प्र.से, रजिस्ट्रार सहकारी समितियां हरियाणा श्री अमरदीप सिंह भा.प्र.से व हरकोफैड के एम.डी श्री नरेश गोयल।

पंचकुला में आयोजित 72वें सहकारिता सप्ताह 2025 के समापन समारोह के अवसर पर हरकोफैड, सहकारिता विभाग हरियाणा के प्रचार अधिकारी श्री सौरव अत्री को उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित करते माननीय राज्यपाल हरियाणा।

मुरथल, सोनीपत में आयोजित 72वें सहकारिता सप्ताह 2025 के शुभारंभ समारोह के अवसर पर हिसार के उप रजिस्ट्रार सहकारी समितियां श्री बंसीलाल एवं जिला केंद्रीय सहकारी बैंक, कैथल के महाप्रबंधक श्री सुरेश को उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित करते माननीय मुख्यमंत्री हरियाणा।

हरकोफैड

2026

विक्रमी संवत् - 2082-83

जनवरी — पौष–माघ

रवि	सोम	मंगल	बुध	वीर	शुक्र	शनि
				1	2	3
4	5	6	7	8	9	10
11	12	13	14	15	16	17
18	19	20	21	22	23	24
25	26	27	28	29	30	31

फरवरी — माघ–फाल्गुन

रवि	सोम	मंगल	बुध	वीर	शुक्र	शनि
1	2	3	4	5	6	7
8	9	10	11	12	13	14
15	16	17	18	19	20	21
22	23	24	25	26	27	28

मार्च — फाल्गुन–चैत्र

रवि	सोम	मंगल	बुध	वीर	शुक्र	शनि
1	2	3	4	5	6	7
8	9	10	11	12	13	14
15	16	17	18	19	20	21
22	23	24	25	26	27	28
29	30	31				

अप्रैल — चैत्र – वैशाख

रवि	सोम	मंगल	बुध	वीर	शुक्र	शनि
			1	2	3	4
5	6	7	8	9	10	11
12	13	14	15	16	17	18
19	20	21	22	23	24	25
26	27	28	29	30		

मई — वैशाख–ज्येष्ठ

रवि	सोम	मंगल	बुध	वीर	शुक्र	शनि
31					1	2
3	4	5	6	7	8	9
10	11	12	13	14	15	16
17	18	19	20	21	22	23
24	25	26	27	28	29	30

जून — ज्येष्ठ–आषाढ़

रवि	सोम	मंगल	बुध	वीर	शुक्र	शनि
	1	2	3	4	5	6
7	8	9	10	11	12	13
14	15	16	17	18	19	20
21	22	23	24	25	26	27
28	29	30				

जुलाई — आषाढ़–श्रावण

रवि	सोम	मंगल	बुध	वीर	शुक्र	शनि
			1	2	3	4
5	6	7	8	9	10	11
12	13	14	15	16	17	18
19	20	21	22	23	24	25
26	27	28	29	30	31	

अगस्त — श्रावण–भाद्रपद

रवि	सोम	मंगल	बुध	वीर	शुक्र	शनि
30	31					1
2	3	4	5	6	7	8
9	10	11	12	13	14	15
16	17	18	19	20	21	22
23	24	25	26	27	28	29

सितम्बर — भाद्रपद–आश्विन

रवि	सोम	मंगल	बुध	वीर	शुक्र	शनि
		1	2	3	4	5
6	7	8	9	10	11	12
13	14	15	16	17	18	19
20	21	22	23	24	25	26
27	28	29	30			

अक्तूबर — आश्विन–कार्तिक

रवि	सोम	मंगल	बुध	वीर	शुक्र	शनि
				1	2	3
4	5	6	7	8	9	10
11	12	13	14	15	16	17
18	19	20	21	22	23	24
25	26	27	28	29	30	31

नवम्बर — कार्तिक–मार्गशीर्ष

रवि	सोम	मंगल	बुध	वीर	शुक्र	शनि
1	2	3	4	5	6	7
8	9	10	11	12	13	14
15	16	17	18	19	20	21
22	23	24	25	26	27	28
29	30					

दिसम्बर — मार्गशीर्ष–पौष

रवि	सोम	मंगल	बुध	वीर	शुक्र	शनि
		1	2	3	4	5
6	7	8	9	10	11	12
13	14	15	16	17	18	19
20	21	22	23	24	25	26
27	28	29	30	31		

विशिष्ट दिवस

शुक्रवार, 23 जनवरी	नेताजी सुभाष चन्द्र बोस जयंती
वीरवार, 12 मार्च	संत लाधू नाथ जी जयंती
रविवार, 15 मार्च	हसन खां मेवाती शहीदी दिवस
शनिवार, 11 अप्रैल	महात्मा ज्योतिबा फुले जयंती
सोमवार, 27 अप्रैल	संत धन्ना भगत जयंती
बुधवार, 29 अप्रैल	श्री गुरु तेग बहादुर जी जयंती
शनिवार, 23 मई	श्री गुरु गोरक्षनाथ स्मृति दिवस
रविवार, 31 मई	मातेश्वरी देवी अहिल्याबाई होल्कर जयंती
मंगलवार, 9 जून	वीर बंदा बैरागी बलिदान दिवस
शनिवार, 4 जुलाई	भाई लखी शाह वंजारा जयंती
मंगलवार, 7 जुलाई	भाई मक्खन शाह लबाना जंयती
बुधवार, 15 जुलाई	कवि बाजे भगत जयंती
सोमवार, 27 जुलाई	महाराजा दक्ष प्रजापति जयंती
बुधवार, 26 अगस्त	श्री गुरु जम्भेश्वर जी जयंती
वीरवार, 17 सितम्बर	भगवान विश्वकर्मा जयंती
मंगलवार, 6 अक्तूबर	महाराजा अजमीढ़ जयंती
शनिवार, 31 अक्तूबर	सरदार वल्लभभाई पटेल जयंती
वीरवार, 12 नवम्बर	संत नामदेव जयंती
रविवार, 22 नवम्बर	वीरांगना झलकारी बाई जयंती
शुक्रवार, 4 दिसम्बर	संत सेन भगत महाराज जयंती
रविवार, 20 दिसम्बर	महाराजा शूरसैनी जयंती

अवकाश सूची

जनवरी
- शुक्रवार, 23 — सर छोटू राम जयंती/बसंत पंचमी
- सोमवार, 26 — गणतन्त्र दिवस

फरवरी
- रविवार, 1 — गुरु रविदास जयंती
- वीरवार, 12 — गुरु ब्रह्मानंद जयंती/ महर्षि दयानंद सरस्वती जयंती
- रविवार, 15 — महाशिवरात्रि

मार्च
- बुधवार, 4 — होली
- शनिवार, 21 — ईद-उल-फितर
- सोमवार, 23 — शहीदी दिवस (भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव)
- वीरवार, 26 — रामनवमी
- मंगलवार, 31 — महावीर जयंती

अप्रैल
- शुक्रवार, 3 — गुड फ्राइडे
- मंगलवार, 14 — डॉ. भीमराव अम्बेडकर जयंती/ वैसाखी
- रविवार, 19 — परशुराम जयंती/अक्षय तृतीया

मई
- शुक्रवार, 1 — बुद्ध पूर्णिमा
- सोमवार, 25 — महर्षि कश्यप जयंती
- बुधवार, 27 — ईद-उल-जुहा (बकरीद)

जून
- बुधवार, 17 — महाराणा प्रताप जयंती
- वीरवार, 18 — गुरु अर्जन देव शहीदी दिवस
- शुक्रवार, 26 — मुहर्रम
- सोमवार, 29 — संत कबीर जयंती

जुलाई
- शुक्रवार, 31 — शहीद उधम सिंह शहीदी दिवस

अगस्त
- शनिवार, 15 — स्वतन्त्रता दिवस/हरियाली तीज
- बुधवार, 26 — मिलाद-उन-नबी/ईद-ए-मिलाद
- शुक्रवार, 28 — रक्षा बंधन

सितम्बर
- शुक्रवार, 4 — जन्माष्टमी
- बुधवार, 23 — शहीदी दिवस/हरियाणा वार हीरोज शहीदी दिवस

अक्तूबर
- शुक्रवार, 2 — महात्मा गांधी जयंती
- रविवार, 11 — महाराजा अग्रसेन जयंती
- मंगलवार, 20 — दशहरा
- सोमवार, 26 — महर्षि वाल्मीकि जयंती
- वीरवार, 29 — करवाचौथ

नवम्बर
- रविवार, 1 — हरियाणा दिवस
- रविवार, 8 — दीपावली
- सोमवार, 9 — विश्वकर्मा दिवस/गोवर्धन पूजा
- रविवार, 15 — छठ पूजा
- मंगलवार, 24 — गुरु नानक देव जयंती

दिसम्बर
- सोमवार, 14 — गुरु तेग बहादुर शहीदी दिवस
- वीरवार, 24 — गुरू ब्रह्मानंद जयंती
- शुक्रवार, 25 — क्रिसमस दिवस
- शनिवार, 26 — शहीद उधम सिंह जयंती

■ राजपत्रित अवकाश ■ वैकल्पिक अवकाश ■ विशिष्ट दिवस

सभी शनिवार एवं रविवार का सार्वजनिक अवकाश।
कर्मचारी तीन वैकल्पिक अवकाश ले सकते हैं।

Welcome 2026 Happy New Year

BEST WISHES FOR A YEAR OF
PURPOSE, PROGRESS, AND PROSPERITY.
MAY THE NEW YEAR STRENGTHEN OUR SHARED
COMMITMENT TO SERVICE AND GROWTH.

हरियाणा सरकार

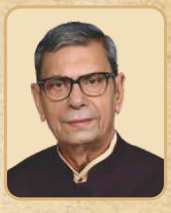

नववर्ष 2026 के शुभ अवसर पर
मैं आपको हार्दिक शुभकामनाएँ एवं बधाई प्रेषित करता हूँ।
यह नया वर्ष हम सभी के लिए उत्तम स्वास्थ्य, नई ऊर्जा और सफलता लेकर आए तथा जनसेवा और समाज के कल्याण हेतु हमारे सामूहिक प्रयासों को और अधिक सशक्त बनाए।
आइए, हम सब मिलकर समर्पण, एकता और कर्तव्यनिष्ठा के साथ राष्ट्र के उज्ज्वल एवं समृद्ध भविष्य के लिए निरंतर कार्य करते रहें। आप सभी को नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएँ।

डॉ. अरविंद कुमार शर्मा
सहकारिता, कारागार, निर्वाचन,
विरासत एवं पर्यटन मंत्री, हरियाणा

Dr. Arvind Kumar Sharma
Cooperation, Prisons, Elections,
Heritage and Tourism Minister, Haryana

पंचकुला में आयोजित 72वें सहकारिता सप्ताह 2025 के राज्य स्तरीय समापन समारोह के अवसर पर माननीय राज्यपाल, हरियाणा प्रो. असीम कुमार घोष व उनकी धर्मपत्नी श्रीमती मित्रा घोष जी को चंदन की लकड़ी से निर्मित श्रीराम जी की प्रतिमा भेंट करते हुए सहकारिता मंत्री, हरियाणा डॉ. अरविंद कुमार शर्मा एवं उनकी धर्मपत्नी डॉ. रीटा शर्मा।

HARCOFED
Bays No. 49-52, Sector - 2, Panchkula https://www.harcofed.org.in harcofed@ymail.com

हरियाणा राज्य सहकारी विकास फैडरेशन की ओर से सौरव शर्मा संपादक द्वारा हरियाणा सहकारी प्रैस 165–166, इंडस्ट्रियल एरिया, फेस–1, चण्डीगढ़ से मुद्रित व प्रकाशित तथा कार्यालय बेज नं. 49–52, प्रथम तल, सेक्टर–2, पंचकूला ।
दूरभाष : 0172–2560340, 2560332 हरकोप्रैस : 0172–2637264